अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक – 158 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ बुधवार 8 सितम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

लड़की की फेसबुक आईडी बनाने वाला ब्लैकमेलर गिरफ्तार, वीडियो कॉल करके पहले अश्लील वीडियो दिखाता, फिर करता ब्लैकमेल

कानपुर(वेब वार्ता)। लड़कियों के नाम पर फेसबुक आईडी बनाकर लोगों को ब्लैकमेल करने वाले एक रैकेट का थाना नौबस्ता और क्राइम ब्रांच ने खुलासा किया है। ब्लैक मेलिंग कर पैसा वसूलने आए हरियाणा के एक अभियुक्त को पुलिस ने यशोदा नगर बाईपास के पास से गिरफ्तार कर लिया है। रैकेट के बाकी सदस्यों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी सलमान ताज पाटिल ने बताया कि नौबस्ता के हंसपुरम में रहने वाले एक युवक ने नौबस्ता पुलिस से शिकायत की कि एक प्रिया कुमारी नाम से बने फेसबुक अकाउंट से उसके पास फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। बातचीत चौटिंग के द्वारा हुई तो उसने मेरा व्हाट्सएप नंबर मांगा। नंबर देते ही उस पर वीडियो कॉल आई जिसमें दूसरी तरफ एक युवती अश्लीलता कर रही थी। युवती ने मेरा वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद वह मुझसे ब्लैकमेल करके पैसे मांगने लगी। मैंने डरकर उसके खाते में 500 रुपये ट्रांसफर कर दिए। लेकिन इसके बाद भी उसने ब्लैकमेल करना बंद नहीं किया। परेशान होकर युवक ने थाना नौबस्ता पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू की तो पूरे रैकेट का पर्दाफाश हो सका।

अतीक अहमद की पत्नी एआईएमआईएम में शामिल, भागवत के डीएनए वाले बयान पर किया पलटवार

अयोध्या (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के मद्देनजर एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी अपने तीन दिवसीय यूपी दौरे की शुरूआत करने के लिए मंगलवार को अयोध्या पहुंचने वाले हैं। हालांकि संतों सहित पूर्व मुस्लिम पक्षकार ने भी ओवैसी के दौरे पर रोक लगाने की मांग उठाई थी, लेकिन अयोध्या से पहले लखनऊ में हुई प्रेस वार्ता में ओवैसी ने चुनाव को लेकर अपने तल्ख तेवर दिखाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुसलमानों की हालत बदतर है। इस बार हम 100 सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार हैं। हमने 60 साल से सबको जिताया, अब हम जीतेंगे। हम चुनाव लड़ रहे हैं तो दूसरी पार्टियों के पेट में दर्द क्यों हो रहा है। हम जरूर चुनाव लड़ेंगे किसी के गुलाम नहीं हैं।

बीजेपी महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक आज

लखनऊ। बीजेपी महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक आज सुबह 10.45 बजे से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगी। बैठक बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह बैठक का उद्घाटन करेंगे। शाम 4 बजे सीएम योगी बैठक में समापन पर संबोधित करेंगे। मोर्चा अध्यक्ष गीता शाक्य की अध्यक्षता में बैठक होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष वानथी श्रीनिवासन उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रमों की रूपरेखा सत्र में प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल मौजूद रहेंगे। इस बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव भी लाया जाएगा।

प्रदेश में 08 करोड़ 08 लाख से अधिक लोगों ने कराया वैक्सीनेशन

लखनऊ (वेब वार्ता)। कोविड से बचाव के लिए प्रदेश में टीकाकरण की प्रक्रिया तेजी से चल रही है।

भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुरूप टीकाकरण के लिए अर्ह लोगों में से 45 फीसदी प्रदेशवासियों ने टीके की पहली खुराक प्राप्त कर ली है। विगत दिवस प्रदेश ने दो नए रिकॉर्ड बनाये। विगत 24 घंटे में 33 लाख 42 हजार 360 लोगों ने टीकाकवर प्राप्त किया। यह किसी राज्य में एक दिन में हुआ सर्वाधिक कोविड टीकाकरण है। इसके साथ ही प्रदेश में कोविड वैक्सीनेशन 08 करोड़ 08 लाख से अधिक हो गया है। यह किसी एक राज्य में हुआ सर्वाधिक टीकाकरण है। इस प्रक्रिया को और तेज किए जाने की आवश्यकता है। टीके की उपलब्धता के लिए भारत सरकार से सतत संपर्क बनाए रखा जाए। सतत प्रयासों से कोरोना की दूसरी लहर पर बने प्रभावी नियंत्रण के बीच जनजीवन तेजी से सामान्य हो रहा है। आज प्रदेश के 28 जनपदों (अलीगढ़, अमरोहा, बागपत, बलिया, बलरामपुर, बांदा, बस्ती, बहराइच, भदोही, बिजनौर, चित्रकूट, देवरिया, फतेहपुर, गाजीपुर, गोंडा, हमीरपुर, हापुड़, हरदोई, हाथरस, कौशाम्बी, ललितपुर, महोबा, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, रामपुर, शामली, सीतापुर, सोनभद्र) में कोविड का एक भी मरीज शेष नहीं है। यह जनपद आज कोविड संक्रमण से मुक्त हैं। औसतन हर दिन ढाई लाख से अधिक टेस्ट हो रहें हैं, जबकि पॉजिटिविटी दर 0.01 से भी कम हो गया है और रिकवरी दर 98.7 फीसदी है। विगत 24 घंटे में हुई 01 लाख 82 हजार 624 सैम्पल की टेस्टिंग में 59 जिलों में संक्रमण का एक भी नया केस नहीं पाया गया, जबकि 16 जनपदों में इकाई अंक में मरीज पाए गए। वर्तमान में प्रदेश में एक्टिव कोविड केस की संख्या 227 रह गई है। यह सतर्कता और सावधानी बरतने का समय है। थोड़ी सी लापरवाही संक्रमण को बढ़ाने का कारक बन सकती है। कोविड की नियंत्रित स्थिति को देखते हुए रात्रिकालीन कर्फ्यू रात्रि 11 बजे से प्रातः 06 बजे तक प्रभावी की जाए। 11 बजे तक सभी दुकानेंध्बाजार बंद हो जाएं। लोग अनावश्यक सड़कों पर न घूमें। विभिन्न राज्यों में कोविड के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ रहे हैं। हमें सावधान रहना होगा। अतिरिक्त स्थिति बरतनी होगी। कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जाना बहुत जरूरी है। ट्रेसिंग, टेस्टिंग और त्वरित ट्रीटमेंट के मंत्र से अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। अब तक 07 करोड़ 38 लाख 21 हजार 487 कोविड सैम्पल की जांच की जा चुकी है। विगत 24 घंटे में हुई टेस्टिंग में 22 नए मरीजों की पुष्टि हुई। इसी अवधि में 20 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए। प्रदेश में अब तक 16 लाख 86 हजार 389 प्रदेशवासी कोरोना संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ हो चुके हैं। इस स्थिति को और बेहतर करने के लिए ट्रेस, टेस्ट और ट्रीट की नीति के अनुरूप सभी जरूरी प्रबंध किए जाएं।

जनपद नोडल अधिकारी ने किया मेडिकल कालेज का निरीक्षण

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई,जालौन। जनपद के नोडल अधिकारी विशेष सचिव औद्योगिक विकास विभाग उत्तर प्रदेश मुथुकुमारसामी बी द्वारा अपने जनपद भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत तृतीय दिवस को राजकीय मेडिकल कालेज उरई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने कालेज के सभी स्टाफ से परिचय करते

हुये पंजीकरण कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होने कोरोना से जुड़े चिकित्सक एवं अन्य स्टाफ से भी पूछताछ की नोडल अधिकारी द्वारा ओ0पी0डी0, मेडिसन विभाग, बाल रोग विभाग, संक्रमण वार्ड आदि का भी गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने संक्रमण वार्ड के वार्डवॉय से बुलाकर पूछताछ की उन्होने वार्डवॉय को यूनीफॉर्म में देखकर काफी नाराजगी जाहिर की तथा उसे हटाये जाने के भी बात की। उन्होने यह भी कहा कि स्वास्थ्य विभाग से जुड़े हुये सभी स्टाफ को ड्यूटी के समय यूनीफार्म में रहना अति आवश्यक हैं। उन्होने वहां ईलाज हेतु आये हुये मरीजों से हालचाल पूछा इस प्रकार नोडल अधिकारी द्वारा मेडिकल कालेज के समस्त वार्डो का एक–एक कर निरीक्षण किया तथा उपस्थित स्टाफ से उनके कार्यो के बारे में भी जानकारी की। नोडल अधिकारी द्वारा ऑक्सीजन प्लांट तथा ऑक्सीजन गैस स्टोर का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों से जानकारी की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एनडी शर्मा, राजकीय मेडिकल कालेज प्रधानाचार्य डॉ. डी. नाथ, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार शुक्ला सहित मेडिकल कालेज का स्टाफ मौजूद रहा।

कानपुर में यातायात पुलिस का अनोखा कारनामा, कार चालक का 'नो हेलमेट' में काटा ई-चालान

चालान के बाद हेलमेट लगाकर कार चला रहा युवक बना शहर में चर्चा का विषय

कानपुर (वेब वार्ता)। कानपुर में यातायात पुलिस की एक बड़ी चूक सामने आई है। ऑनलाइन ई–चालान सिस्टम के तहत एक कार चालक का चालान काट दिया गया है। अजीब बात यह है कि चालक का चालान बिना हेलमेट कार चलाने को लेकर काटा गया है। ट्रैफिक पुलिस के इस अजीब–ओ–गरीब एक हजार रुपये के चालान का मैसेज जब गाड़ी स्वामी के मोबाइल में आया तो वह भौचक्का रह गया। उसने यातायात पुलिस के इस अनोखे कारनामे (कार्रवाई) के बाद से कार चालक अब कार में हेलमेट लगाकर चल रहा है।क्योंकि उसे डर है कि कहीं पुलिस फिर से बिना हेलमेट कार चलाने पर उसका चालान न कर दें। जनपद के नौबस्ता थाना क्षेत्र स्थित बाबानगर इलाके में रहने वाले विशाल मिश्रा ने बताया कि उनके पास मारुति सुजुकी कम्पनी की स्विफ्ट कार है, जिसका नम्बर यूपी–78 जीएन 8020 है। उन्होंने बताया कि 31 अगस्त को वह आवश्यक काम से कार द्वारा शहर की ओर गए थे। वापस घर आने पर उनके मोबाइल पर एक मैसेज आया। मैसेज के माध्यम से ऑनलाइन ई–चालान होने के बारे में जानकारी मिली। जब मैसेज पढ़ा तो पता चला कि हेलमेट लगाकर कार न चलाने की वजह से उनका 1000 रुपये का चालान किया गया है।कार स्वामी विशाल मिश्रा का कहना है कि यह यातायात पुलिस की भारी लापरवाही का नमूना है लेकिन एतिहातन अब वह हेलमेट लगाकर कार चला रहे है कि कही ऐसा न हो कि ट्रैफिक पुलिस दोबारा उनका चालान काट दें। बताते चलें कि, यातायात पुलिस की घोर लापरवाही के चलते हेलमेट लगाकर कार चला रहा युवक विशाल अब कानपुर जनपद में चर्चा का विषय बना हुआ हैं। वहीं दूसरी तरफ जनता के बीच ट्रैफिक पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर जमकर किरकिरी हो रही हैं। मामले में यातायात पुलिस को कोई अधिकारी कुछ में बोलने से बच रहा है।

घुसिया में नकदी जेबर पार किए चोरों ने,दर्ज हुई रिपोर्ट

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। कोंच कोतवाली क्षेत्र के गांव घुसिया में चोरों ने एक सूने घर में धावा बोल कर नकदी जेबर पार कर दिए। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है प्राप्त जानकारी के मुताबिक घुसिया निवासी मंगलसिंह वर्मा रविवार को अपनी ससुराल जैसारी कलां पत्नी को लेने गया था। सोमवार की सुबह उसे पड़ोसियों से जानकारी मिली कि घर के ताले टूटे हुए पड़े हैं और घर में चोरी हो गई है। वह लौट कर आया और घर में रखा सामान देखा तो पाया कि तीन हजार रुपए नकद तथा सोने चांदी के तमाम जेबर अज्ञात चोर चुरा ले गए हैं।वहीं पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में घटना की एफआईआर दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

कोरोना काल में कितना अहम हो गया है योग- योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। शारीरिक मानसिक रूप से फिट रहने में योग,आसन, प्राणायाम, ध्यान, एक्सरसाइज की भूमिका हमेशा से अहम रही है। अब कोरोना काल में इसकी अहमितयत कहीं अधिक बढ़ गई है। हम सभी के निरोगी जीवन के लिए अहम बताया गया है

इसी क्रम में योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने कहा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में योग– आसन, प्राणायाम, ध्यान, एक्सरसाइज की हमेशा से अहमियत रही है। आज दुनियाभर में कोरोना वायरस महामारी के कारण इसका महत्व और भी बढ़ गया है। भारतीय समाज में जहां योग की अहमियत प्राचीनकाल से ही रही है, वहीं पश्चिमी समाज में भी अब इसे मान्ध्यता मिल रही है। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय स्थ्तर पर योग दिवस मनाए जाने की शुरुआत इसी को बयां करता है।

योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने कहा कोरोना काल हो या सामान्य परिस्थिति योग– आसन, प्राणायाम, ध्यान, एक्सरसाइज स्वस्थ जीवनशैली का अहम हिस्सा रहा है। इसीलिए आप सभी सप्ताह में कम से कम 150 मिनट के योग–प्राणायाम ,ध्यान, एक्सरसाइज का अभ्यासजरूर करें। जिसमें वयस्कों के लिए सप्ताह में मध्यम तीव्रता वाले कम से कम 150 मिनट के एरोबिक एक्सरसाइज गतिविधि को अहम बताया है। वहीं अगर कोई भारी–भरकम एक्सरसाइज करता है वह सप्ताह में 75 मिनट तक ऐसा कर सकता है।

फिट रहने के लिए योगासन प्राणायाम जरूरी है।

योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने बताया जो लोग खुद को फिट रखने के लिए नियमित तौर पर फिजिकल एक्टिविटी करते हैं, उनमें कोविड–19 से संक्रमण के कारण गंभीर रूप से बीमार होने का खतरा कम हो सकता है। इसके अतिरिक्त, शरीरिक रूप से कम सक्रिय रहने

वाले लोगों में मोटापा, डायबिटीज, हृदय रोग सहित जीवनशैली से जुड़ी कई समस्याएं देखी गई हैं, जिनका सीधा संबंध कोविड–19 के संक्रमण और इससे मरीजों की स्थिति बिगड़ने तथा उनकी मौत से है।

इसलिए आप सभी नियमित रूप से योग– आसान,प्राणायाम ,एक्सरसाइज करते रहें। और आमजन–मानस को इससे होने वाले चमत्कारिक लाभ के बारे में बताते रहें। कि अगर इसे रोजाना व नियमित तौर पर किया जाए तो यह कितना सकारात्मक प्रभाव हमारे शरीर के साथ–साथ मन–मस्तिष्क पर भी डालता है। योगासन हमारे शरीर को चुस्त–दुरुस्त रखता है तो मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। नियमित तौर पर एक्सरसाइज करने से शरीर के सभी अंग एक्टिव रहते हैं, जो हृदय रोग, डायबिटीज जैसी बीमारियों से जूझने में मददगार होता है।

नियमित योग प्राणायाम ध्यान मानसिक स्वास्थ्य के लिहाज से भी बेहतर है। योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने बताया फिजिकल एक्टिविटी का असर उनकी सोच और याददाश्त पर भी होता है और यह डिमेंशिया के जोखिम को 30 फीसदी तक कम कर सकता है।

योग–एक्सरसाइज को डिप्रेशन को दूर रखने में भी कारगर समझा जाता है, जिसकी चपेट में इन दिनों बहुत लोग आ रहे हैं। कोरोना संक्रमण कई तरह से लोगों को मानसिक आघात पहुंचा रहा है, जिसमें कई तरह के योग कारगर समझे जाते हैं।

जनपद में किया गया 'राष्ट्रीय पोषण माह-२०२१' का शुभारम्भः

कुपोषण छोड़ पोषण की ओर थामें क्षेत्रीय भोजन की डोरः

प्राथमिक विद्यालय में मॉडल के रूप में बनाई जाएंगी पोषण वाटिकाः

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। मंगलवार को जनपद के माननीय सांसद जी उन्नावी हरि साक्षी जी महाराज, माननीय विधायक गण, जिलाधिकारी श्री रवीन्द्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी श्री दिव्यांशु पटेल द्वारा आज निराला प्रेक्षागृह में चतुर्थ राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ मां सरस्वती जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री राकेश मिश्रा द्वारा समस्त माननीयों का कार्यक्रम में अपनी गरिमामई उपस्थिति दर्ज कराने हेतु स्वागत अभिनंदन किया गया। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि अपने खानपान में पोषण युक्त आहार को अवश्य शामिल करें। उन्होंने कहा कुपोषण छोड़ पोषण की ओर थामे क्षेत्रीय भोजन की डोर की थीम पर जनपद में अभियान चलाया जायेगा।

जिलाधिकारी ने कहा प्राथमिक विद्यालयों में पोषण वाटिका स्थापित की जाए जिससे कि बच्चों को विद्यालयों में मौसमी सब्जी मिल सके। राष्ट्रीय पोषण माह अभियान 30 सितंबर 2021 तक जनपद में चलाया जाएगा जिसमें कुपोषित अति कुपोषित बच्चों को अच्छा खाना पीना दिया जाए इसके प्रति भी जागरूक किया जाएगा। राष्ट्रीय पोषण माह 2021 को चार चरणों में विभाजित किया गया

है। प्रथम चरण के 01 से 07 सितंबर तक पोषण वाटिका, 08 से 15 सितंबर तक सुपोषण बच्चों के लिए योग योगा आयुष का महत्व 16 सितंबर से 23 सितंबर तक स्थानीय खाद पदार्थ पर जन जागरूकता 24 सितंबर से 30 सितंबर तक सैम मैम बच्चों का चिन्हिकरण करते हुए पौष्टिक जन जागरूकता अभियान।

माननीय सांसद जी ने कार्यक्रम में उपस्थित मातृशक्ति को सर्वोपरि बताते हुए कहा माता से बड़ा कोई सेवक नहीं है, अपने कर्तव्य का पालन करना ही ईश्वर की सबसे बड़ी पूजा है। उन्होंने कहा वर्ष 2018 से बच्चों, किशोरियां एवं महिलाओं में पोषण के स्तर में सुधार के उद्देश्य से 'राष्ट्रीय पोषण माह' प्रत्येक वर्ष सितम्बर माह में मनाया जा रहा है। पोषण माह का आयोजन सम्बन्धित विभागों के कनवर्जेन्स से मनाया जाता है। उन्होंने कहा जब तक हमारा समाज स्वस्थ नहीं होगा तब तक हम आत्मनिर्भर नहीं बन सकते आत्म निर्भर बनने के लिए व स्वस्थ रहने के लिए पोषण युक्त आहार की आवश्यकता है।

'राष्ट्रीय पोषण माह–2021' में पोषण वाटिका की स्थापना हेतु पौधरोपण अभियान तथा सैमध्मैम बच्चों के चिन्हांकन एवं अनुश्रवण पर विशेष बल दिया जाएगा। इनके अलावा, योग एवं आयुष (बच्चों, किशोरी, बालिकाओं तथा महिलाओं को केन्द्रित करते हुए योग सत्रों का आयोजन) तथा पोषण सम्बन्धी प्रचार–प्रसार सामग्री व अनुपूरक पुष्टाहार आदि का वितरण किया जाएगा। जिलाधिकारी ने माननीय सांसद जी एवं समस्त माननीय विधायक गणों का स्वागत अभिनंदन किया उन्होंने कहा समस्त आशा बहुओं और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने पूरे कोविड–19 योद्धाओं का कार्य किया है उन्होंने घर–घर जाकर लोगों को जागरू किया।

भारतीय मजदूर किसान यूनियन के तत्वावधान में दूसरे दिन भी विकास भवन सीतापुर के सामने धरना स्थल पर धरना जारी है

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। भारतीय मजदूर किसान यूनियन के तत्वावधान में आज दूसरे दिन भी विकास भवन सीतापुर के सामने धरना स्थल पर धरना जारी है!दस सूत्रीय मांगों को लेकर विगत में मा०मुख्यमंत्री सहित जिला प्रशासन सीतापुर को दिए गए ज्ञापनों पर कोई भी कार्रवाई न होने के कारण संगठन पदाधिकारी धरना करने के लिए मजबूर हैं!संगठन के अध्यक्ष शिव प्रकाश सिंह ने कहा कि हम सभी द्वारा जनहित के मुद्दों पर बार बार जिला प्रशासन को अवगत कराने के बावजूद कोई कार्रवाई न होना प्रशासनिक अधिकारियों की तानाशाही है!उन्होंने कहा जिला पंचायत राज अधिकारी सीतापुर द्वारा स्टीमेट स्वीकृत हेतु सीधे तीन प्रतिशत की वसूली की जा रही है!जनपद में लगभग दो वर्ष की तैनाती में करोड़ों रुपए की सम्पत्ति अर्जित की है!जिसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए! महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष अल्पना सिंह ने कहा कि विद्युत विभाग में खुली लूट चल रही है!बगैर सुविधा शुल्क के कोई काम नहीं होता?सूचना अधिकार के अंतर्गत मांगी गई सूचनाएं इतनी भ्रामक होती है कि प्रार्थी भाग दौड़ में थक कर बैठने को मजबूर हो जाता है!प्रवक्ता सचेन्द्र दिक्षित ने कहा कि शासन द्वारा गरीबों के लिए संचालित मनरेगा योजना का लाभ गरीबों तक नहीं पहुंच पा रहा?मांग पत्रो पर समयानुसार काम नहीं मिलता!और जिम्मेदार इस संबंध में एक दूसरे

पर आरोप–प्रत्यारोप लगा कर अपना उल्लू सीधा करने में व्यस्त हैं!संयोजक जितेंद्र मिश्रा ने कहा कि समूचे जनपद में दरी हैंडलूम कारखानों और चीनी मिलों सहित ईंट भट्टों की चिमनियों से निकल रही राख और दरी हैंडलूम से निकाला जा रहा विषाक्त रसायन युक्त प्रदूषित जल बीमारियों से त्रस्त होकर सैंकड़ों लोगों की जान ले चुका है!इस प्रकरण में जिम्मेदारो के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए! जिला अध्यक्ष अंबुज श्रीवास्तव ने कहा कि ग्राम समाज की जमीन पर भू माफियाओं और उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद जवाहर पुर चीनी मिल द्वारा ग्राम समाज की जमीन से अवैध कब्जा न हटाना न्याय पंचायत की घोर अवहेलना है!इन सभी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए!धनंजय अवस्थी ने कहा कि समाज में हमेशा से सम्मान की दृष्टि देखा जाता है,परंतु वर्तमान में विभाग भ्रष्टाचार के चंगुल में कुछ इस तरह फंस चुका है कि सम्मानित शिक्षकों को उप विद्यालय निरीक्षकों द्वारा शुविधा शुल्क न मिलने पर इस तरह प्रताड़ित किया जाता है कि वह आत्महत्या के लिए मजबूर हो जाते है!धरना स्थल पर ज्योति रत्नम महिला प्रकोष्ठ,डा० इस्लामुद्दीन अंसारी,शक्ति मणि त्रिपाठी,राम चंद्र मौर्य, शैलेन्द्र राज, उत्तम मौर्य,बिट्टो मौर्य,राम जीवन मौर्य, रामपति, सरोजनी, सुनीता, हरिश्चंद्र मौर्य, कृष्णा देवी,सूरज मौर्य,गुड्डी देवी,रामगुलाम मौर्य,शमा परवीन,राम लखन राठौर,ललई सिंह,राजेन्द्र मौर्य, युवा प्रकोष्ठ दिव्य रत्न सिंह,शिवम् सिंह सहित संगठन साथी मौजूद रहे!

सम्पादकीय

मुफ्त वितरण की बंदरबांट

बीते समय में इंग्लैंड के चुनाव में वहां की लेबर पार्टी ने जनता को मुफ्त ब्राडबैंड, मुफ्त बस यात्रा और मुफ्त कार पार्किंग जैसी सुविधाओं का प्रलोभन दिया था। हम भी क्यों पीछे रहते। उत्तर प्रदेश में कुछ वर्ष पूर्व छात्रों को मुफ्त लैपटॉप दिए गए, तमिलनाडू में चुनाव पूर्व किचन ग्राइंडर और साइकिल वितरित करने का आश्वासन दिया गया। दिल्ली में एक सीमा के अंतर्गत मुफ्त बिजली और पानी दिया जा रहा है और केन्द्र सरकार द्वारा मुफ्त गैस सिलेंडर, एलईडी बल्ब और खाद्यान्न वितरित किए जा रहे हैं। निश्चित रूप से इस प्रकार के सीधे वितरण से जन कल्याण हासिल होता है। जिस छात्र को लैपटॉप मिल जाता है वह उससे अपने कौशल को सुधार सकता है और जीवन में आगे बढ़ सकता है। लेकिन कहावत है कि किसी को मछली देने के स्थान पर मछली पकडना सिखाना ज्यादा उत्तम है, चूंकि मछली देने से एक बार मछली का भोजन करके वह आनंदित हो सकता है, लेकिन यदि उसे मछली पकडना सिखा दिया जाए तो आजीवन अपने भोजन की व्यवस्था कर सकता है। इसलिए सरकार के लिए जरूरी है कि वह अपने सीमित राजस्व का उस स्थान पर निवेश करे जहां कि जनता का लंबे समय तक और अधिकाधिक कल्याण हो सके। यहां एक विषय यह है कि अकसर इस प्रकार के मुफ्त वितरण के वायदे चुनाव पूर्व किए जाते हैं, जैसा कि इंग्लैंड में लेबर पार्टी ने चुनाव पूर्व किया है।

अपने देश में कांग्रेस ने 2009 में किसानों की ऋण माफी का वायदा किया और सत्ता हासिल की थी। तमिलनाडु में जैसा कि ऊपर बताया गया है कि किचन ग्राइंडर आदि बांटने के आश्वासन चुनाव पूर्व दिए गए। इस प्रकार के वायदे किए जाने से सरकार के राजस्व का उपयोग पार्टी के हितों को साधने के लिए किया जाता है। जैसे यदि कांग्रेस सरकार ने 2009 में लोन माफी का वायदा किया अथवा वर्तमान में केन्द्र सरकार एलपीजी गैस के सिलेंडर बांट रही है तो इसका लाभ पार्टी विशेष को मिलता है, जबकि इन मुफ्त सुविधाओं को वितरित करने का भार सरकार के राजस्व पर पड़ता है। अतः उच्चतम न्यायालय ने हाल में ही नोटिस जारी किया है कि चुनाव पूर्व इस प्रकार के वायदों पर रोक क्यों न लगाई जाए? सुप्रीम कोर्ट की यह सोच सही दिशा में है और केन्द्र सरकार को इस दिशा में स्वयं पहल करके इस प्रकार के चुनाव पूर्व वायदों को प्रतिबंधित करने का राष्ट्रव्यापी कानून बनाना चाहिए। चुनाव से आगे सरकार द्वारा तीन प्रकार की सुविधाएं दी जाती हैं। पहली सुविधा सार्वजनिक जो केवल सरकार द्वारा दी जा सकती है, दूसरी सुविधा उत्कृष्ट जो व्यक्तिगत है लेकिन उसका समाज पर प्रभाव पड़ता है, और तीसरा व्यक्तिगत जो कि व्यक्ति विशेष मात्र को लाभ पहुंचाती है। सार्वजनिक सुविधाएं वे हैं जो सरकार ही उपलब्ध करा सकती है जैसे रेलगाड़ी, गांव की सड़क अथवा कोविड से बचने के लिए क्या कदम उठए जाएं, इसकी जानकारी। ये सुविधा केवल सरकार ही दे सकती है। इसलिए सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी इस प्रकार की सार्वजनिक सुविधाओं को उपलब्ध कराने की होनी चाहिए। इससे आगे कुछ सुविधाएं व्यक्तिगत लेकिन 'उत्कृष्ट' कही जा सकती हैं, जैसे किसी व्यक्ति द्वारा मास्क पहनना मूलतः व्यक्तिगत सेवा है। वह बाजार से 10 रुपए का मास्क खरीदकर पहन सकता है। इसमें सरकार के द्वारा वितरण करने की जरूरत नहीं है। लेकिन व्यक्ति के मास्क पहनने से दूसरों का संक्रमण से बचाव होता है, इसलिए सरकार मास्क बांटे और लोगों को उसे लगाने के लिए प्रेरित करे तो यह सुविधा व्यक्तिगत होने के बावजूद उत्कृष्ट कही जाती है क्योंकि इससे दूसरे तमाम लोगों को लाभ होता है। इसकी तुलना में कुछ सुविधाएं मुख्यतः व्यक्तिगत कही जा सकती हैं, जैसे मुफ्त बिजली–पानी, मुफ्त गैस सिलेंडर, मुफ्त साइकिल अथवा लैपटॉप। इस प्रकार की सेवाओं को वितरित करने से व्यक्ति विशेष मात्र को लाभ होता है और पूरे समाज को इसका लाभ नहीं होता है, परंतु सरकार का राजस्व खप जाता है। अतः प्रश्न यह है कि सरकार को अपने सीमित राजस्व को किन सुविधाओं में लगाना चाहिए? सरकार को चाहिए कि इन तीनों प्रकार की सुविधाओं का जनकल्याण की दृष्टि से आकलन कराए।

गांव में सड़क बना दी जाए तो जन कल्याण पर सीधा और गहरा प्रभाव पड़ता है क्योंकि बच्चे शिक्षा प्राप्त करने के लिए शहर जा सकते हैं और किसान अपनी सब्जी को शहर पहुंचा सकता है। जिस प्रकार कहा गया कि मछली पकडना सिखाइए, उसी प्रकार सड़क बनाने से व्यक्ति अपनी आय को आगे तक अर्जित करने में सक्षम हो जाता है। उत्कृष्ट सेवाओं से भी लाभ होता है, लेकिन सार्वजनिक सेवाओं की तुलना में कम। जैसे यदि मास्क बांटा जाए तो लाभ अवश्य होता है, लेकिन सड़क की तुलना में इसका लाभ कम होगा चूंकि मास्क तो व्यक्ति स्वयं भी लगा लेता है। तीसरी व्यक्तिगत सुविधाओं का लाभ न्यून ही होता है, यद्यपि इनमें खर्च ज्यादा आता है। जैसे मुफ्त बिजली–पानी उपलब्ध कराने के लिए वर्ष दर वर्ष सरकार को भारी रकम चुकानी पड़ती है, जबकि उसका सामाजिक लाभ नहीं होता है। यदि यही रकम दिल्ली की झुग्गियों में सड़क, बिजली और मुफ्त वाईफाई उपलब्ध कराने में लगाई जाए तो जनता को और आय अर्जित करने में सुविधा होगी और उसका जीवन स्तर उत्तरोत्तर सुधरता जाएगा, जैसे मछली पकडना सिखाने से सुधर सकता है। इस दृष्टि से केन्द्र सरकार को तमाम योजनाओं पर पुनर्विचार करना चाहिए।

केन्द्र सरकार द्वारा कुछ योजनाएं उत्कृष्ट श्रेणी की हैं जैसे किसान को पेंशन, ग्रामीण कौशल्य योजना, दीनदयाल उपाध्याय योजना, अंत्योदय योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, मातश्त्व वंदना योजना और स्वामित्व योजना। इन योजनाओं से यद्यपि व्यक्ति सीधे लाभान्वित होता है, लेकिन इनका समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा तमाम ऐसी योजनाएं चलाई जा रही हैं जो केवल व्यक्तिगत लाभ पहुंचाती हैं, जैसे उन्नत जीवन योजना के अंतर्गत एलईडी वितरण योजना, पीएम सुरक्षा योजना, आयुष्मान भारत और जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत बीमा पर सब्सिडी, ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत घर, अंत्योदय अन्न योजना के अंतर्गत खाद्यान्न और उज्ज्वला के अंतर्गत गैस और जनधन योजना के अंतर्गत बैंक में खाते खुलवाना। इस प्रकार की योजनाओं से वोट अवश्य मिलते हैं लेकिन इससे जनता का दीर्घकालीन और स्थायी विकास नहीं होता है। इसलिए केन्द्र सरकार को चाहिए कि इस प्रकार की व्यक्तिगत लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं को समाप्त करे और उस रकम को रेल, सड़क और वाईफाई जैसी सामूहिक योजनाओं में लगाए जिससे कि जनता अपनी आय बढ़ाने में सक्षम हो और अपना जीवनस्तर सुधार सके।

आंदोलन का चुनावी अंदाज

–डॉ. दिलीप अग्निहोत्री–

किसानों के नाम पर आंदोलन की शुरुआत शाहीनबाग अंदाज में हुई थी। उसकी तरह ही असत्य पर आधारित अभियान चलाया जा रहा है। सीएए ने नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान किया गया था। जबकि आंदोलन इस बात कर किया गया कि सरकार वर्ग विशेष की नागरिकता छीन लेगी लेकिन कुछ ही समय में ऐसा कहने वाले बेनकाब हुए। इसी प्रकार किसानों के नाम पर चल रहा आन्दोलन भी बड़े झूठ पर आधारित है। सीएए विरोध की तर्ज पर कहा जा रहा है कि कृषि कानूनों से किसानों की जमीन छीन ली जाएगी। वास्तविकता यह कि पुरानी व्यवस्था में किसान अपनी जमीन बेचने को विवश हो रहे थे क्योंकि कृषि में लाभ कम हो रहा था। इसका फायदा पूंजीपति उठा रहे थे। नए कृषि कानूनों से किसानों को विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। इनको भी स्वीकार करने की बाध्यता नहीं है। किसानों को अधिकार प्रदान किये गए।

देश में अस्सी प्रतिशत से अधिक किसान छोटी जोत वाले हैं। आंदोलन के नेताओं को इनकी कोई चिंता नहीं है। आंदोलन का स्वरूप अभिजात्य वर्गीय है। ऐसा आंदोलन नौ महीने क्या नौ वर्ष तक चल सकता है। आंदोलन के नेता कृषि कानूनों का काला बता रहे हैं। लेकिन उनके पास इस बात का जवाब नहीं है कि इसमें काला क्या है, वह कह रहे है कि किसानों की जमीन छीन ली जाएगी लेकिन उनके पास इसका जवाब नहीं कि किस प्रकार किसानों की जमीन छीन ली जाएगी। कॉन्ट्रैक्ट कृषि तो पहले से चल रही है। किसानों को इसका लाभ मिल रहा है। ऐसा करने वाले किसी भी किसान की जमीन नहीं छीनी गई। आंदोलन के नेता कह रहे है कि कृषि मंडी समाप्त हो जाएगी। जबकि वर्तमान सरकार ने कृषि मंडियों को आधुनिक बनाया है। कृषि मंडियों से खरीद के रिकार्ड कायम हुए हैं। आंदोलन के नेता कह रहे है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य समाप्त हो जाएगा। लेकिन वर्तमान सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य में अब तक कि सर्वाधिक वश्द्धि की है।

जाहिर है कि यह आंदोलन भी सीएए की तरह विशुद्ध राजनीतिक है। इससे किसानों का कोई लेना देना नहीं है। इसमें किसान हित का कोई विचार समाहित नहीं है। सीएए विरोधी आंदोलन जल्दी समाप्त हो गया। लेकिन इस आंदोलन में किसान शब्द जुड़ा है। इसका लाभ मिल रहा है। इसी नाम के कारण सरकार ने बारह बार इनसे वार्ता की। संचार माध्यम में भी किसान आंदोलन नाम चलता है। जबकि वास्तविक किसान इससे पूरी तरह अलग है। उन्हें कृषि कानूनों में कोई खराबी दिखाई नहीं दे रही है। आंदोलन के नेता और उनका समर्थन करने वाले राजनीतिक दल अपनी जवाबदेही से बच रहे हैं। किसी ने यह नहीं बताया कि वह पुरानी व्यवस्था को बचाने हेतु इतना बेकरार क्यों है। इसका क्या निहितार्थ निकाला जाए, क्या उनके पास पुरानी व्यवस्था की अच्छाइयां बताने के लिए कुछ नहीं है।

किसी ने यह नहीं कहा कि पुरानी व्यवस्था में किसान खुशहाल थे इसलिए वे सुधारों का विरोध कर रहे हैं। जबकि सुधार तथ्यों पर आधारित है। इसका विरोध कल्पनाओं पर आधारित है। मात्र कल्पना के आधार पर आंदोलन चलाया जा रहा है। सरकार के विरोध में विपक्ष ने अपने हितों का भी ध्यान नहीं रखा। सत्ता पक्ष ने उनको बिचौलियों के बचाव हेतु परेशान बताया। क्योंकि विधेयकों के माध्यम से बिचौलियों को ही दूर किया गया। मंडियां समाप्त नहीं होंगी, न्यूनतम समर्थन मूल्य जारी रहेगा, किसानों को अपनी मर्जी से उपज बेचने का अधिकार मिला। ऐसे में विरोध का कोई औचित्य या आधार ही नहीं था। विरोध में सर्वाधिक मुखर दलों को सत्ता में रहने का अवसर मिलता रहा है।

कांग्रेस आज भी कई प्रदेशों की सत्ता में है। नरेंद्र मोदी सरकार के ठीक पहले कांग्रेस की केंद्र में सरकार थी। ऐसी सभी पार्टियों को तो किसान हित पर बोलने का अधिकार ही नहीं है। दस वर्षों में एक बार किसानों की कर्ज माफी मात्र से कोई किसान हितैषी नहीं हो जाता। आज हंगामा करने वाली पार्टियां स्वयं जवाबदेह हैं। उनको बताना चाहिए कि पुरानी व्यवस्था के माध्यम से उन्होंने किसानों को कितना लाभान्वित किया था। उन्हें बताना चाहिए कि क्या उस व्यवस्था में बिचौलिओं की भूमिका नहीं थी। क्या सभी किसानों की उपज मंडी में खरीद ली जाती थी।

स्वामीनाथन समिति का गठन यूपीए सरकार ने किया था। उसकी सिफारिशों पर मोदी सरकार अमल कर रही है। कुछ दिन पहले कांग्रेस सवाल करती थी कि स्वामीनाथन रिपोर्ट कब लागू होगी। सरकार अमल कर रही है तो हंगामा किया जा रहा है। यह दोहरा आचरण कांग्रेस के लिए हानिकारक है। जाहिर है कि विपक्ष पिछली व्यवस्था के लाभ बताने की स्थिति में नहीं है।

भाषण और बयान चल रही है,किसानों के हित की दुहाई दी जा रही है,लेकिन कोई यह नहीं बता रहा है कि अब तक चल रही व्यवस्था में किसानों को क्या लाभ मिल रहा था, कोई यह नहीं बता रहा है कि कितने प्रतिशत कृषि उत्पाद की खरीद मंडियों में होती थी। कोई यह नहीं बता रहा है कि पिछली व्यवस्था में बिचौलियों की क्या भूमिका थी। कोई यह नहीं बता रहा है कि कृषि उपज का वास्तविक मुनाफा किसान की जगह कौन उठा रहा था। विपक्ष इन सबका जवाब देता तो स्थिति स्पष्ट होती। कहा जा रहा है कि किसान बर्बाद हो जाएंगे, बड़ी कम्पनियां उनके खेतों पर कब्जा कर लेंगी, अंग्रेजों की तरह उनसे नील का उत्पादन कराएंगी, खेत बर्बाद हो जाएंगे आदि।

पुरानी व्यवस्था में अनेक कमियां थी। इसमें किसानों पर ही बन्धन थे, वही परेशान होते थे। इस व्यवस्था में वे लोग लाभ उठा रहे थे, जो किसान नहीं थे। वह किसानों की तरह मेहनत नहीं करते थे, उन्हें फसल पर मौसम की मार से कोई लेना देना नहीं था। ऐसे में इस आंदोलन से किसका लाभ हो सकता है। आंदोलन किसके बचाव हेतु चल रहा है। इसमें किसानों का हित नजरअंदाज किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो पुरानी व्यवस्था में लाभ उठाने वालों के गिरोह का उल्लेख किया है। कहा कि देश में अब तक उपज और बिक्री के बीच में ताकतवर गिरोह पैदा हो गए थे। यह किसानों की मजबूरी का फायदा उठा रहे थे। जबकि इस कानून के आने से किसान अपनी मर्जी और फसल दोनों के मालिक होंगे। उन्होंने देश के किसानों को आश्वस्त किया कि देश में न तो न्यूनतम समर्थन मूल्य खत्म होगा ना ही कृषि मंडियां समाप्त होंगी।

कांग्रेस किसानों को भ्रमित कर रही है। कांग्रेस ने शुरू से ही देश के किसानों को कानून के नाम पर अनेक बंधनों से जकड़ रखा है। आज तक किसानों के हित में कोई फैसला नहीं लिया। आज जब कृषि सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं तो किसानों को गुमराह किया जा रहा है। देश में एमएसपी अनवरत जारी है। फसल मंडियां अपनी जगह यथावत है। लेकिन कांग्रेस पार्टी किसानों को यह कह कर गुमराह कर रही है कि एमएसपी खत्म हो जाएगी। मंडियों को खत्म कर दिया जाएगा। सरकार ने किसानों को अधिकार के लिए ऐतिहासिक कानून बनाये हैं। यह कृषि सुधार इक्कीसवीं सदी के भारत की जरूरत है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अनजान बुखार का मासूमों पर जानलेवा प्रहार, क्या कर रही है सरकार ?

शुरुआत में इस अनजान बुखार का प्रकोप तीन जिलों में ही देखा गया था लेकिन अब यह फिरोजाबाद, मथुरा, कासगंज, लखनऊ, आगरा, एटा, मैनपुरी, नोएडा, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, शामली, सहारनपुर इत्यादि प्रदेश के 20 से अधिक जिलों तक फैल चुका है।

कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच उत्तर प्रदेश में विकराल रूप धारण करता रहस्यमयी बुखार नई चुनौती बनकर उभर रहा है। कुछ डॉक्टर इस रहस्यमयी बुखार को 'इंफ्लुएंजा' वायरस मान रहे हैं तो कुछ डेंगू और कुछ अन्य डॉक्टर इसे इंफ्लुएंजा वायरस के स्वरूप में बदलाव की आशंका के तौर पर भी देख रहे हैं लेकिन अभी तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने में विफल रहे हैं। दरअसल इस रहस्यमयी बुखार में मरीजों में कई बीमारियों के लक्षण एक साथ नजर आ रहे हैं और बुखार के कारण सबसे ज्यादा मौतें बच्चों की हो रही हैं। लगभग सभी मामलों में तेज बुखार के साथ तेजी से प्लेटलेट्स गिरने, नजला–खांसी, जोड़ों में दर्द, डिहाइड्रेशन जैसे लक्षण देखे जा रहे हैं।

शुरुआत में इस अनजान बुखार का प्रकोप तीन जिलों में ही देखा गया था लेकिन अब यह फिरोजाबाद, मथुरा, कासगंज, लखनऊ, आगरा, एटा, मैनपुरी, नोएडा, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, शामली, सहारनपुर इत्यादि प्रदेश के 20 से अधिक जिलों तक फैल चुका है और प्रत्येक जिले में प्रतिदिन औसतन पांच सौ नए मरीज मिल रहे हैं, जिनमें बच्चों की संख्या सर्वाधिक है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अभी तक विभिन्न जिलों में 150 से भी ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें करीब 50 फीसदी बच्चे हैं। सबसे बुरी हालत फिरोजाबाद जिले की है, जहां अब तक 80 से भी ज्यादा लोगों की मृत्यु हो चुकी है। इस जिले में पिछले कुछ ही दिनों में 60 से भी ज्यादा बच्चों की मौत रहस्यमयी बुखार से हुई है। इसके अलावा सीतापुर में 50, मथुरा में 21 तथा मैनपुरी में भी 13 से ज्यादा लोगों की मौत होने की पुष्टि की जा चुकी है। कई अन्य जिलों में भी इस बुखार के कारण मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। फिरोजाबाद और आसपास के इलाकों में तो डेंगू, वायरल बुखार, स्क्रब टाइफस और लेप्टोस्पायरोसिस के मरीज भी मिले हैं। बच्चों की हो रही मौतों से प्रभावित इलाकों में इस कदर खौफ व्याप्त है कि कुछ लोग भय के कारण गांव छोड़कर जा रहे हैं। प्रदेश के कुछ गांवों में रहस्यमयी बुखार का खौफ इतना ज्यादा है कि गांव के अधिकांश परिवार अपने बच्चों को लेकर पलायन कर चुके हैं।

रहस्यमयी बुखार को लेकर स्थिति इतनी खराब है कि अधिकांश जगहों पर अस्पतालों में जांच के लिए लंबी–लंबी कतारें लगी हैं, लगभग सभी अस्पतालों में बैड फुल हैं और एक–एक बैड पर दो से चार बच्चों का एक साथ इलाज हो रहा है लेकिन डॉक्टरों के प्रयासों के बाद भी ऐसे कई बच्चों को बचाने में सफलता नहीं मिल पा रही है। इस बुखार के आने के बाद पहले मरीज को ठंड लगती है और फिर तेजी से बुखार बढ़ता है। दवा खाने से एक बार बुखार उतर जाता है लेकिन फिर तेजी से बुखार आता है और मरीज की स्थिति बिगड़ जाती है। बच्चों की बात करें तो इस बीमारी में पहले बच्चों के पेट में दर्द होता है, फिर बुखार आता है और प्लेटलेट्स अचानक तेजी से गिरता है। उसके बाद दो से तीन दिनों में ही ऐसे कुछ बच्चे मौत के मुंह में समा जाते हैं। कई डॉक्टर इस अनजान बुखार से हो रही मौतों का बड़ा कारण इलाज में देरी होना मानते हैं। डेंगू के साथ स्क्रब टायफस होने के कारण कई मरीजों के किडनी, लीवर सहित अन्य अंगों ने काम करना बंद कर दिया था, इस कारण भी उनकी मौत हुई। अभी तक डेंगू के वायरस के कुल चार वैरिएंट (डेन 1, 2, 3, 4) सामने आए हैं लेकिन पेट में दर्द के साथ बुखार आने के दो–तीन दिनों के भीतर ही बच्चों की मौत होने से स्वास्थ्य विशेषज्ञों को इस बात की चिंता भी सता रही है कि कहीं यह डेंगू का कोई नया वैरिएंट डेन 5 तो नहीं फैल रहा है।

फिरोजाबाद जिले में 50 से ज्यादा बच्चों की मौत होने के बाद मचे हड़कंप के पश्चात् केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा स्थिति का जायजा लेने के लिए एक टीम वहां भेजी गई थी। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र (एनसीडीसी) और राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीसीडीपी) के 5 विशेषज्ञों के इस दल द्वारा फिरोजाबाद तथा आसपास से करीब 200 सैंपल लिए गए, जिनमें 100 से ज्यादा नमूनों में डेंगू की पुष्टि हुई जबकि कई नमूनों में स्क्रब टाइफस के मामले भी मिले। स्क्रब टाइफस नामक बीमारी बैक्टीरिया से होती है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार प्रायः झाड़ियों में पाए जाने वाले मकड़ी जैसे छोटे जीव माइट अथवा छग्गर के काटने से भी स्क्रब टाइफस होता है।

खासकर मासूम बच्चों पर रहस्यमयी बुखार के जानलेवा प्रहार का खौफ लोगों में जिस कदर बढ़ता जा रहा है, ऐसे में इस समय सबसे ज्यादा जरूरी यही है कि इस बात के पुख्ता प्रबंध किए जाएं कि अस्पतालों में ऐसे लोगों के इलाज में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए।

–योगेश कुमार गोयल

पैरालम्पिक: दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी अवनि लेखरा

सभी बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है अवनि का गोल्डन सफर

–योगेश कुमार गोयल–

टोक्यो पैरालम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने कमाल का प्रदर्शन किया है। सबसे बड़ा कारनामा कर दिखाया है भारत की पैरा शूटर अवनि लेखरा ने जो 5 सितम्बर को पैरालम्पिक के समापन समारोह में भारतीय ध्वजवाहक बनीं। दरअसल अवनि ने इस पैरालम्पिक में दो–दो पदक जीतकर ऐसा इतिहास रच डाला, जो अबतक ओलम्पिक या पैरालम्पिक के इतिहास में भारत की कोई भी महिला खिलाड़ी नहीं कर सकी है। भारतीय निशानेबाज अवनि लखेरा ने टोक्यो पैरालम्पिक में 30 अगस्त को हुई निशानेबाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था, जो पैरालम्पिक्स के इतिहास में भारत का शूटिंग में पहला स्वर्ण पदक था। अवनि ने 21 निशानेबाजों के बीच 7वें पायदान पर रहते हुए फाइनल में अपनी जगह बनाई थी और महिलाओं के आर–2 10 मीटर एयर राइफल क्लास एसएच–1 में फाइनल मैच में उनका मुकाबला चीन की झांग कुइपिंग और यूक्रेन की इरियाना शेतनिक से था। अवनि ने 249.6 प्वाइंट प्राप्त कर न केवल चीन की शूटर को पराजित करते हुए स्वर्ण पर कब्जा जमाया बल्कि यूक्रेन की खिलाड़ी के वर्ष 2018 के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी की। अवनि की जीत के बाद चीन की झांग कुइपिंग को रजत और यूक्रेन की इरियाना शेतनिक को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

व्हील चेयर पर होते हुए भी जयपुर की अवनि ने महज 19 वर्ष की आयु में निशानेबाजी में 30 अगस्त को भारत के लिए पहला पैरालम्पिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद जब 3 सितम्बर की निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक भी भारत के नाम किया तो उनकी इस उपलब्धि पर हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। दरअसल इस जीत के साथ ही अवनि एक ही पैरालम्पिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई। हालांकि पुरुषों की स्पर्धा में अवनि से पहले यह कारनामा जोगिंदर सिंह सोढ़ी कर चुके हैं, जिन्होंने 1984 के पैरालम्पिक में एक रजत और दो कांस्य पदक (गोला फैंक में रजत और चक्का फैंक तथा भाला फैंक में कांस्य) जीते थे। वह किसी भी पैरालम्पिक में खेलों के एक ही चरण में कई पदक जीतने वाले पहले भारतीय थे। अवनि ने टोक्यो पैरालम्पिक में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन एसएच1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। उस स्पर्धा के फाइनल में 445.9 के स्कोर के साथ वह तीसरे स्थान पर रही। 8 नवम्बर 2001 को राजस्थान के जयपुर में जन्मी अवनि लखेरा के पिता प्रवीण लखेरा राजस्थान के रेवेन्यू विभाग में आरएएस के पद पर कार्यरत हैं। अवनि जब केवल 11 वर्ष की थी, उस दौरान उनके साथ एक दिन ऐसी घटनी घटी, जिसने उनकी जिंदगी को एकाएक गहरे अंधकार में धकेल दिया था। 20 फरवरी 2012 को वह अपने पिता के साथ जयपुर से धौलपुर जा रही थी कि रास्ते में उनकी कार दुर्घटना की शिकार हो गई। उस हादसे में अवनि और उनके पिता को गहरी चोटें लगी। हालांकि पिता तो कुछ समय बाद पूरी तरह ठीक हो गए लेकिन सड़क हादसे में अवनि की रीढ़ की हड्डी टूट गई थी, जिस कारण वह करीब पांच महीने तक अस्पताल में बैड पर ही रही और इलाज के बाद भी जीवन पर्यन्त चलने–फिरने में असमर्थ हो गई। उस दर्दनाक हादसे के बाद अवनि बुरी तरह से टूट गई थी और उसने अपने आप को घर में एक कमरे में बंद कर लिया था लेकिन परिजनों ने हार नहीं मानी और लगातार उसका हौसला बढ़ाते रहे। उस दौरान अवनि अपनी पढ़ाई–लिखाई पर ही फोकस करने लगी थी लेकिन उसके पिता ने उसे खेलों में भी ध्यान लगाने को प्रेरित किया।

पिता के मार्गदर्शन में जब अवनि ने अभिनव बिंद्रा की जीवनी पढ़ी तो वह इस कदर प्रभावित हुई कि खेलों के प्रति उसके मन में जोश बढ़ गया। आखिरकार एक दिन ऐसा आया, जब वर्ष 2015 में अवनि जगतपुरा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में निशानेबाजी की ट्रेनिंग लेने के लिए पहली बार व्हील चेयर पर ही मैदान में उतरी। छोटी–सी उम्र में व्हील चेयर पर होने के बावजूद अवनि ने हार नहीं मानी और दृढ़ संकल्प की बदौलत पैरालम्पिक में वह करिश्मा कर दिखाया, जिसे कर दिखाने में सामान्य खिलाड़ियों को भी बेहद कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। खेलों के प्रति वह इस हद तक समर्पित हो गई कि अब उन्हें 'गोल्डन गर्ल' के नाम भी जाना जाता है। हालांकि वह पढ़ाई–लिखाई में भी काफी अव्वल रहती हैं तथा फिलहाल शूटिंग के साथ–साथ लॉ की पढ़ाई कर रही हैं और आगे राजस्थान सिविल सर्विस में जाना चाहती हैं।

शुरुआती दौर में अवनि को व्हील चेयर चलाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा क्योंकि वह मानदंडों के मुताबिक नहीं थी, इसके अलावा बंदूक और शूटिंग किट भी उपलब्ध नहीं थी लेकिन अपने दृढ़ संकल्प के साथ वह शूटिंग में बहुत जल्द शानदार प्रदर्शन करने लगी। वर्ष 2015 में अपनी ट्रेनिंग शुरू करने के कुछ महीनों बाद ही अवनि ने राजस्थान स्टेट चौम्पियनशिप में हिस्सा लेकर स्वर्ण पदक जीतकर हर किसी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था। मजे की बात रही कि वह चौम्पियनशिप अवनि ने अपने कोच से उनकी राइफल उधार लेकर जीती थी। 2016 में पुणे में आयोजित हुई नेशनल चौम्पियनशिप में अवनि ने कांस्य पदक अपने नाम किया। उसके बाद तो अवनि ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक के बाद एक कई पदक अपने नाम किए। 2018 में 61वीं नेशनल शूटिंग चौम्पियनशिप में भी अवनि ने पदक जीते थे। अपनी कड़ी मेहनत और जुनून के चलते अवनि ने 2016 से 2020 तक कुल पांच स्वर्ण पदक जीते। महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टेडिंग एसएच1 में विश्व रैकिंग में वह पांचवें स्थान पर आती हैं।

बहरहाल, टोक्यो पैरालम्पिक में अवनि की दोहरी सफलता ने साबित कर दिया है कि भारत की बेटियां भी अपनी मेहनत और बुलंद हौसलों के बल पर बड़ी से बड़ी सफलता हासिल करने का सामर्थ्य रखती हैं। दिव्यांग होते हुए भी अवनि ने निरन्तर सघंर्ष किया और उसी का प्रतिफल है कि उन्होंने टोक्यो पैरालम्पिक में दो–दो पदक जीतकर इतिहास रच डाला। 2012 में सड़क दुर्घटना में कमर के नीचे के शरीर को लकवा मार जाने के बावजूद अवनि का गहरे अवसाद से निकलकर कड़ा संघर्ष करने, दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने और टोक्यो पैरालम्पिक में दो पदक जीतने तक का शानदार सफर हर किसी के लिए प्रेरणास्रोत है। निश्चित रूप से 19 साल की आयु में अवनि की देश को गौरवान्वित करने वाली उपलब्धियां समस्त भारतवर्ष की बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

काबुल गढ़े नया इस्लामी लोकतंत्र

–डॉ. वेदप्रताप वैदिक–

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को एकदम मान्यता देने को कोई भी देश तैयार नहीं दिखता। इस बार तो 1996 की तरह सउदी अरब और यूएई ने भी कोई उत्साह नहीं दिखाया। अकेला पाकिस्तान ऐसा दिख रहा है, जो उसे मान्यता देने को तैयार बैठा है। अपने जासूसी मुखिया ले. जनरल फैज हमीद को काबुल भेज दिया है। यह मान्यता देने से भी ज्यादा है।

सभी राष्ट्र, यहां तक कि पाकिस्तान भी कह रहा है कि काबुल में एक मिली–जुली सर्वसमावेशी सरकार बननी चाहिए। जो चीन बराबर तालिबान की पीठ ठोक रहा है और जो मोटी पूंजी अफगानिस्तान में लगाने का वादा कर रहा है, वह भी आतंकवाद रहित और मिली–जुली सरकार की वकालत कर रहा है लेकिन मैं समझता हूं कि सबसे पते की बात ईरान के नए राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने कही है। उन्होंने कहा है कि काबुल में कोई भी सरकार बने, वह जनता द्वारा चुनी जानी चाहिए। उनकी यह मांग अत्यंत तर्कसंगत है। मैंने भी महीने भर में कई बार लिखा है कि काबुल में संयुक्तराष्ट्र संघ की शांति सेना एक साल के लिए भेजी जाए और उसकी देखरेख में चुनाव द्वारा लोकप्रिय सरकार कायम की जाए। यदि अभी कोई समावेशी सरकार बनती है और वह टिकती है तो यह काम वह भी करवा सकती है।

जो कट्टर तालिबानी तत्व हैं, वे यह क्यों नहीं समझते कि ईरान में भी इस्लामी सरकार है या नहीं ? यह इस्लामी सरकार आयतुल्लाह खुमैनी के आह्वान पर शाहे–ईरान के खिलाफ लाई गई थी या नहीं ? शाह भी अशरफ गनी की तरह भागे थे या नहीं ? इसके बावजूद ईरान में जो सरकारें बनती हैं, वे चुनाव के द्वारा बनती हैं। ईरान ने इस्लाम और लोकतंत्र का पर्याप्त समन्वय करने की कोशिश की है। ऐसा काम और इससे बढ़िया काम तालिबान चाहें तो अफगानिस्तान में करके दिखा सकते हैं। हामिद करजई और अशरफ गनी को अफगान जनता ने चुनकर ही अपना राष्ट्रपति बनाया था।

पठानों की आर्य काल की परंपराओं में सबसे शानदार परंपरा लोया जिरगा की है। लोया जिरगा याने महा सभा ! सभी कबीलों के प्रतिनिधियों की लोकसभा। यह पश्तून कानून याने पश्तूनवली का महत्वपूर्ण प्रावधान है। यह 'सभा' और 'समिति' की आर्य परंपरा का पश्तो नाम है। यही लोया जिरगा अब आधुनिक काल में लोकसभा बन सकती है। बादशाह अमानुल्लाह (1919–29) और जाहिरशाह (1933–1973) ने कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर लोया जिरगा आयोजित की थी। पिछले 300 साल में दर्जनों बार लोया जिरगा समवेत की गई है। इस महान परंपरा को नियमित चुनाव का रूप यह तालिबान सरकार दे दे, ऐसी कोशिश सभी राष्ट्र क्यों न करें ? इससे अफगानिस्तान और इस्लाम दोनों की इज्जत में चार चांद जुड़ जाएंगे। बहुत–से इस्लामी देशों के लिए अफगानिस्तान प्रेरणा का स्रोत भी बन जाएगा।

(लेखक, अफगान मामलों के विशेषज्ञ हैं।)

नोडल अधिकारी ने की चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा से संबंधित बिंदुओं पर समीक्षा:

विकास भवन में की गई राजस्व विभाग, पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग से संबंधित बिंदुओं की समीक्षा:

नोडल अधिकारी की अध्यक्षता में किया गया नगर विकार्यधित बिंदुओं की समीक्षा का आयोजन:

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। (सू0वि0) अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश/जनपदीय नोडल अधिकारी महोदय श्री एम0वी0एस0 रामी रेड्डी जी व जिलाधिकारी महोदय श्री रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आज विकास भवन सभागार में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, राजस्व विभाग, पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग (बेसिक, माध्यमिक शिक्षा),नगर विकास विभाग सेसे संबंधित बिन्दुओं की समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ।

बैठक में शासन के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर समीक्षा करते हुये चिकित्सा विभाग, राजस्व विभाग, पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग पर गहनता से विचार किया गया। नोडल अधिकारी ने वर्तमान में जो डेंगू वायरल चल रहा है उसके संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सत्य प्रकाश से तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि घरों के आसपास पानी जमा नही होना चाहिये, एंटी लार्वा के छिड़काव की कार्यवाही कराने के निर्देश दिये। जिला मलेरिया अधिकारी को निर्देश देते हुये कहा वाटर सप्लाई के पानी में कन्टेन्ट देखना चाहिए, पानी में क्लोरीन कितना पी0पी0एफ0 पाया गया, क्लोरीन की मात्रा पीने के पानी में कितनी होनी चाहिए इसकी जानकारी ई0ओ0 को होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में पानी का जलभराव नहीं होना चाहिए इसे तत्काल सही कराने के निर्देश सीएमओ को दिये। अस्पताल में नर्सो की जानकारी ली। इमरजेंसी के आई0सी0यू0 बेड कितने चालू हालत में हैं, उन्होंने पूछा कि संक्रमण रोग यथा डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया आदि के माह अगस्त में कितने सैंपल कलेक्ट किए गए हैं। उन्होंने सैम्पलिंग की संख्या में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा डेंगू की जांच ज्यादा से ज्यादा कराएं, सी0बी0सी0 कराएं, क्षेत्र में जाकर पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिए। ज्वर पीड़ित की जांच करने में लपरवाही न बरती जाये। जांच ज्यादा से ज्यादा संख्या में जांच कराई जाये। जिला अस्पताल सी0एच0सी0 पी0एच0सी0 में कितने लोग भर्ती हैं जानकारी ली तथा मरीजों को भर्ती करने के निर्देश दिए। औषधियों के उपलब्धता के बारे में जानकारी ली,संदिग्ध डेंगू लक्षण वाले व्यक्ति का सैंम्पल अवश्य लें। लोगों को क्लोरीन टैबलेट्स बाटने के निर्देश दिए। उन्होंने सी एम एस को निर्देशित किया कि ब्लड बैंक में ब्लड की उपलब्धता बनाए रखने के लिए ब्लड डोनेशन कैंप लगाने के निर्देश दिए। ई ओ से फागिंग कब–कब करते हैं जानकारी ली, जल के नमूना की नियमित जांच व छिड़काव सभी ई0ओ0 करें अगले 02 दिन इसकी सूचना प्रस्तुत करें। डीएम सर ने कहा यदि कोई बाढ़ आती है तो उसके लिए क्या क्या तैयारियां हो चुकी है एसडीएम बीघापुर से पूछा खिलाने पिलाने रहने सोने की क्या–क्या व्यवस्था की जा चुकी है। उन्होंने कहा पहले से विजिट कर लें गंगा का जल स्तर बढ़ना नहीं चाहिए उन्होंने उप जिलाधिकारी सदर से कहा बाढ़ की तैयारी करने के साथ साथ जरूरतमंद को प्रधानमंत्री आवास योजनाध मुख्यमंत्री आवास योजना में तत्काल आवास उपलब्ध अवश्य कराएं। नोडल अधिकारी महोदय को बताया गया जियो बैग लगवाए जा चुके हैं जिससे बाढ़ आने पर समस्या उत्पन्न न हो सके। नोडल अधिकारी ने बैठक में ब्लड डोनेशन, नेट बैंकिंग, सैंपलिंग, दवाओं की उपलब्धता, एंबुलेंस, चिकित्सकों की उपलब्धता आदि की स्थिति जानी। उन्होंने जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी महोदय से कहा प्रत्येक सीएचसी का निरीक्षण करें तथा नगरपालिका का भी निरीक्षण करें पानी की समस्या नहीं होनी चाहिए इस बात का खास ख्याल रखें। उन्होंने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के बारे में जानकारी ली उन्होंने अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि घर–घर में लाल व काला वाला बैग अवश्य वितरण करें जिससे कि लोग कूड़ा आदि रोड पर न फेंक सकें, उन्होंने जल के नमूनों की नियमित जांच कराने व छिड़काव कराने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए समस्त ग्राम पंचायतों में समस्त व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा समस्त वीडियोस को निर्देश दें कि दे जहां पर भी जलभराव की समस्या है उसे तत्काल सही कराएं। उन्होंने जानकारी ली कि कितनी ग्राम सभाओं में ठोस प्रबंधन मौजूद है। उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों में साफ सफाई कराने व पीने के पानी की व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी श्री दिव्यांशु पटेल को सप्ताह में कम से कम 3 बार ही गांव गांव जाकर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने डीपीआरओ को निर्देशित करते हुए कहा एंटी लारवा का छिड़काव हो रहा है या नहीं अभी तक कितना परसेंट छिड़काव हो चुका है। इसको स्वयं जाकर देखें। इस बात का खास ख्याल रखें साफ–सफाई गांवों में हो रही है या नहीं। पीने के पानी के पास जलभराव नहीं होना चाहिये।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन गौरा विधानसभा के अंतर्गत मसकनवा फार्म पर आयोजित किया गया

अवध की आवाज ब्यूरो

खोड़ारे गोण्डा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन गौरा विधानसभा के अंतर्गत मसकनवा फार्म पर आयोजित किया गया। जिसमें अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री विजय प्रताप सिंह जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर सभा को संबोधित किया उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि पूर्व सरकारों ने पूरे प्रदेश को अंधेरा दे कर गई थी मेरी सरकार आते ही सभी गांव का विद्युतीकरण करा कर उजाला देने का काम किया पिछली सरकार गुंडा युक्त सरकार देकर गई थी मेरी सरकार आते ही पूरे प्रदेश में गुंडा मुक्त सरकार देने का कार्य किया कार्यक्रम में मौजूद रहे जिला अध्यक्ष अमर किशोर कश्यप जी राकेश तिवारी जी पट्टू ओझा जी अनिल कुमार पासवान अजय तिवारी राम मूरत वर्मा विक्रम प्रसाद जितेंद्र पांडे शोहरत वर्मा जसवंत सिंह नीरज पटेल प्रमोद चंचल दिनेश शुक्ला भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा में राजभर समाज का सम्मान :रमाशंकर विद्यार्थी राजभर

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। विधानसभा 301 गौरा में आज राजभर चौपाल सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रमाशंकर विद्यार्थी राजभर पूर्व सांसद समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय सचिव उनके साथ में सुभाष लारी कोरी और समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष आनंद स्वरूप यादव उर्फ पप्पू यादव उपस्थित रहे मंच का संचालन रईस अहमद ने किया मुख्य अतिथि का स्वागत कार्यक्रम के आयोजक पूर्व विधायक समाजवादी पार्टी गौरा 301 के प्रभारी और युवा नेता अरुण प्रताप सिंह उर्फ डिंपल सिंह विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर सलाम द्वारा किया गया। विधायक राम प्रताप सिंह द्वारा और अरुण प्रताप सिंह द्वारा राष्ट्रीय सचिव पूर्व सांसद रमाशंकर राजभर जी को गणेश जी की प्रतिमा भेंट की गई और जिला अध्यक्ष जी को भी गणेश जीकी प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा की उत्तर प्रदेश में इतिहास गवाह है कि जब जब समाजवादी पार्टी की सरकार आई है। दलित शोषित और पिछड़ों अल्पसंख्यकों और राजभरों का सम्मान हुआ है। उदाहरण के रूप में आप देख सकते हैं कि आपका भाई आपका बेटा आपके सामने खड़ा है जब कभी भी उत्तर प्रदेश में राजभरों के साथ बहन बेटियों के साथ अन्याय होता है। दुराचार होता है तब यह आपका भाई बेटा रमाशंकर राजभर उसकी मदद के लिए आवाज उठाता है और जब रमाशंकर राजभर कमजोर पड़ता तो यही समाजवादी के लोग कार्यकर्ता नेता रमाशंकर राजभर के साथ हजारों हजार की संख्या में खड़े हो जाते हैं। और उस राजभर भाई को बहन को बेटी को माता को न्याय मिल जाता है जब जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तो समाजवादी पार्टी राजभर बिरादरी को विधान परिषद में ले जाकर राज्यसभा में ले जाकर मंत्री बना कर राजभर जाति के लोगों का सम्मान बढ़ाने का काम करती है और जो समाजवादी होते हैं। वह जातिवादी नहीं होते हैं और जो जातिवादी होते हैं वह कभी समाजवादी नहीं होते मेरे समाज के लोगों मेरे कुल के लोगों अपने सम्मान को बचाने के लिए राजभरों का सम्मान और हक बचाने के लिए और सत्ता में बराबर भागीदारी के लिए आने वाले विधानसभा चुनाव में 2022 में साइकिल का बटन दबाकर उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाएं और मेरे कुल के लोगों में बताना चाहता हूं कि अगर राजभरों का सम्मान कहीं सुरक्षित है तो वह समाजवादी पार्टी में है बाकी राजभरों को ठगा जाता है। झूठ बोल कर उनका मत ले लिया जाता हैऔर सरकार बनने के बाद उनका अपमान किया जाता है और उन्हें कोई भागीदारी नहीं दी जाती है और मैं सभी भाइयों से कहना चाहूंगा कि समाजवादी पार्टी में दलित शोषित पिछड़ा अल्पसंख्यक हर वर्ग के लोगों का आदर सम्मान कहीं सुरक्षित है तो वह समाजवादी पार्टी हैराम शंकर राजभर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार आएगी तो तीन कृषि कानून बिल को लागू नही होनेदेंगे उन्होंने कहा भाजपा सरकार में महिला उत्पीड़न बढ़ गया है लाइन आर्डर ध्वस्त है महंगाई चरम सीमा पर है। गैस डीजल पेट्रोल आसमान की ऊंचाइयों को छू रहा रेट है महंगाई पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है आने दीजिए उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार सबको न्याय सब को सम्मान महंगाई पर नियंत्रण और महिलाओं को 2000 पेंशन हमारी सरकार देने का काम करेगी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी आनंद स्वरूप यादव उर्फ पप्पू यादव ने कहा किया समाजवादी पार्टी की पूरे प्रदेश में लहर बह रही है कार्यकर्ताओं की बदौलत कार्यकर्ताओं की मेहनत के बलबूते पर समाजवादी पार्टी गोंडा जनपद में सातों सीटों पर समाजवादी पार्टी का कैंडिडेट भारी मतों से जीतेंगे हमारे कार्यकर्ता पूरे ईमानदारी के साथ सातों विधानसभाओं में लगे हुए हैं हमारे कार्यकर्ता रात दिन प्रयास कर रहे हैं। एक दूसरे को जोड़ रहे हैं सभी जातियों के लोगों से मिल रहे हैं और उसी बदौलत हम 2022 में सातों सीटें गोंडा की जीतेंगे और उत्तर प्रदेश में माननीय अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने में गोंडा का भी योगदान होगा। कार्यक्रम को समाजवादी पार्टी के सुभाष लहरी कोरी रामजीत निषाद राकेश राजभर युवा नेता अरुण प्रताप सिंह उर्फ डिंपल सिंह वअनिल पांडे ने संबोधित किया डॉक्टर अब्दुल सलाम विधानसभा अध्यक्ष ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया कार्यक्रम के अंत में भारी संख्या में आए हुए राजभर साथियों वा राजभर बहनों अंग वस्त्र मुख्य अतिथि व पूर्व विधायक राम प्रताप सिंह युवा नेता अरुण प्रताप सिंहडिंपल सिंह द्वारा पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर ओम प्रकाश सिंह पूर्व ब्लाक प्रमुख बभनजोत ब्लॉक अध्यक्ष गुरबख्श राजभर छपिया ब्लाक अध्यक्ष दिलीप बर्मा जिला पंचायत सदस्य अमर यादव पूर्व प्रत्याशी ब्लाक प्रमुख छपियाअशोक सिंह अनिल पांडे रहम अली कादरी दिनेश सिंहबेचन मोदनवाल रिस यावन चौहान माहिम हुसैन उर्फ माहिम बाबा बाबर हुसैन महफूज अहमद नूरुद्दीन पूर्व प्रधान इम्तियाज अहमद नजीर अहमद पंकज पांडे अब्दुल अजीज रामचंद्र राजभर काशीराम राजभर पवन राज भरआदि तमाम समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित।

बच्चों के उज्जवल भविष्य में माँ की अहम भूमिका होती है : लक्ष्य

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। लक्ष्य की टीम ने बच्चों के उज्जवल भविष्य में माँ की भूमिका विषय पर एक चर्चा का आयोजन लखनऊ के बक्शी का तालाब के गांव नरहरपुर में स्थित बी आर पाठशाला में किया। जिसमें पाठशाला के बच्चों व उनके माता पिता ने हिस्सा लिया। बच्चों के उज्जवल भविष्य में माँ की अहम भूमिका होती है वैसे तो पूरे परिवार को चलाने व उसकी देखभाल करने में माता की अहम् भूमिका होती है लेकिन बच्चों के लालन पालन में उसकी ही अहम् भूमिका होती है। जैसा कहा भी जाता है कि माँ ही बच्चे की पहली शिक्षिका होती है अगर माँ अपने बच्चों का अच्छा व उज्जवल भविष्य चाहती तो बच्चों की अच्छे से देख भाल करनी होगी और ध्यान रखना होगा कि बच्चे अच्छे से शिक्षा ग्रहण करें, रोज विद्यालय जाएं क्योंकि शिक्षा ही बच्चों के जीवन में विकास की किरणे लाती है। यह बात लक्ष्य कमांडर रेखा आर्या ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने सम्बोधन में कही। लक्ष्य कमांडरों ने कहा कि बेटे बेटी में भेद मत करो और बेटों के साथ साथ बेटियों को भी अच्छी से अच्छी शिक्षा दो, चाहे एक जेवर कपड़े कम पहन लो, एक रोटी कम खा लो, लेकिन अपने बच्चों को अवश्य पढ़ाओं। इस चर्चा में लक्ष्य कमांडर रेखा आर्या के अलावा लक्ष्य कमांडर रश्मि गौतम, विमलेश चौधरी, रामवती, लक्ष्य युथ कमांडर ऋषभ, मनीष, सतीश, दिवाकर, शैलेन्द्र राजवंशी व पाठशाला के संचालक लक्ष्य युथ कमांडर अभिलोक गौतम ने हिस्सा लिया।

गरीबों व मजदूरों के हितैषी राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। भारतीय जनता पार्टी अनुषांगिक संगठन भारतीय श्रमिक कामगार कर्मचारी महासंघ भारतीय जनता पार्टी प्रणित के राष्ट्रीय महासचिव माननीय सर्वेश पाठक जी ने बताया कि हर हाथ को काम हर कंधे को सम्मान या सपना हमारे नेता केंद्रीय मंत्री माननीय नितिन गडकरी जी का है जो कि साकार करने के लिए हम अपने कार्यकताओं के माध्यम से जन–जन तक पहुंचाने में जुटे हुए हैं। राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक ने बताया किसी भी श्रमिक का शोषण ना हो और उनके परिवार को शिक्षा एवं चिकित्सा , खेल जगत से अनेकों लाभ देने के लिए सरकार जो कार्य कर रही है उन तक कैसे पहुंचे इसकी योजना बद्ध तरीके से हम लोग कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकारी योजनाएं उन तक पहुंचे इसके लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं पाठक ने बताया कि माननीय नितिन गडकरी जी की टीम में हम लोग कार्य कर रहे हैं। वास्तव में बहुत ही अच्छे विकास पुरुष नेता हैं उनकी सोच ही है। गरीबी मिटाना है वह तब संभव है। जब हर हाथ को काम मिल सके माननीय नितिन गडकरी जी की सोच है जो भी योजनाएं केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं वह धरातल तक पहुंचाने के लिए उनका प्रचार–प्रसार हो और जन जन तक उसका लाभ सीधे पहुंच सके इस कार्य को सफल बनाने के लिए श्री पाठक ने बताया कि उत्तर प्रदेश को 6 प्रांतों में बांटकर प्रदेश अध्यक्ष , क्षेत्रीय अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष के कार्यकताओं के माध्यम से जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। श्री पाठक ने बताया इस कार्य में लगभग हजारों कार्यकर्ता लगे हुए हैं प्रदेश की मॉनिटरिंग टीम के इंचार्ज प्रदेश के महामंत्री मनीष मिश्रा जी हैं एवं उनके सहयोगी के रुप में प्रदेश के उपाध्यक्ष रामग्रह गुप्ता जी व प्रचार प्रसार देख रहे गौरव शर्मा जी है। राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक जी ने बताया की हम लोग गरीबी मिटाने के लिए हर गली हर मोहल्ले को गोद ले चुके हैं निरंतर जागरूकता अभियान के माध्यम से श्रमिकों का रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं। जिससे सरकारी योजनाएं केंद्र एवं राज्य सरकार की अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए उसके लिए हम लोग कार्य कर रहे हैं।

न्यायालय के आदेश पर 5 लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज

नवजात शिशु की रहस्यमय मौत का मामला

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। मोतीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम कस्टुआ के मजरा भटकहवा निवासी ने न्यायालय के समक्ष एक प्रार्थना पत्र जिसमें कार्रवाई करने की गुहार लगायी है। जिसमें न्यायालय के आदेश पर वादी शंकर लाल के सिकायत पर 5 लोगों के खिलाफ 1–संध्या पत्नी अमरजीत,2– इन्द्रपती पत्नी नकछेद,3– नकछेद पुत्र छविलाल 4– अमरजीत पुत्र नकछेद 5– सुनीता पत्नी बुधघ्ई के नवजात शिशु की हत्या कर शाक्ष छिपाने के खिलाफ मु.अ. स. 214ध्2021 धारा 302,201 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पीड़ित शंकरलाल द्वारा आयोग को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि उसके भाई खुशीराम के विरुद्ध गांव की ही एक महिला द्वारा दुर्भावना वश फर्जी आरोप लगाकर बलात्कार का मुकदमा मोतीगंज थाने में दर्ज कराया था, जिसके संबंध में पुलिस द्वारा उसके भाई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। महिला का आरोप था कि उसके भाई द्वारा जबरन उसके साथ बलात्कार किया गया जिससे वह गर्भवती हो गई और आरोपी महिला के कुछ दिन बाद एक बच्चा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काजी देवर में 25 मई 2021 को पैदा हुआ। उसका भाई इस घटना में आरोपित होने के कारण जेल में बंद है और उसके भाई का बार–बार यही कथन था कि उसे रंजिशन फंसाया गया है। उसने नवजात शिशु के डीएनए टेस्ट की मांग की। आरोपी के भाई शंकरलाल द्वारा उच्च अधिकारियों से बार–बार निवेदन किया गया कि नवजात शिशु का डीएनए टेस्ट कराया जाए। दूसरी तरफ शंकरलाल द्वारा यह भी आरोप लगाया गया था कि नवजात बच्चे की जघन्य हत्या महिला व उसके सहयोगियों द्वारा लोक लाज से बचने के कारण की गई थी जिसका पोस्टमार्टम कराया गया था। आरोपी के भाई शंकरलाल द्वारा नवजात शिशु के शव का पोस्टमार्टम व डीएनए टेस्ट कराने के लिए उच्च अधिकारियों की शरण ली गयी थी तब डीएम के आदेश पर तहसीलदार सदर की मौजूदगी में 28 मई 2021 को शव को क्रब से खुदवाने के बाद पोस्टमार्टम व डीएनए के लिए भेजा गया। नवजात शिशु के शव का पोस्टमार्टम 29 मई 2021 को डॉक्टरों के पैनल द्वारा किया गया। थानाध्यक्ष मोतीगंज ब्रह्मानन्द सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर 5 लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

चोरी की योजना बनाते तीन को पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा न्यायालय

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोण्डा। एसपी द्वारा अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत चोरोध्वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने एवं चोरी की घटनाओं के शीघ्र ही पर्दाफाश के लिए समस्त प्रभारी निरीक्षकों/थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिये दिए गए थे जिसे लेकर थाना मनकापुर पुलिस एवं एस0ओ0जी0 की संयुक्त टीम ने चोरी की घटना का पर्दाफाश करते हुए चोरी किए गए 29 मोबाइलों सहित तीन शातिर चोरो को गिरफ्तार किया है। बताते चलें कि सोमवार को थाना कोतवाली मनकापुर पुलिस तथा एस0ओ0जी0 टीम ने मुखबिर खास की सूचना पर डकैती की योजना बनाते समय योगेश प्रताप सिंह पुत्र श्रीराम सिंह नि0 खेसरी अम्बरपुर थाना मनकापुर गोण्डा, रामानन्द पुत्र लालचन्द्र कोरी नि0 नई बस्ती इमिलिया थाना मोतीगंज गोण्डा व सुशील गुप्ता पुत्र रामकिशोर गुप्ता नि0 पटेलनगर कस्बा मनकापुर गोण्डा समेत तीन शातिर चोरो को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से 29 नये व पुराने मोबाइल फोन, 10 चार्जर, चोरी करने के उपकरण, व जामातलाशी के दौरान योगेश प्रताप सिंह व रामानन्द के कब्जे से 01–01 अवैध तमंचा मय 01–01 कारतूस व अभियुक्त सुशील गुप्ता उर्फ बाबू के कब्जे से 01 नाजायज चाकू व घटना में 01 मोटरसाइकिल बरामद किया है। बरामद मोबाइलों के बारे में कड़ाई से पूछताछ करने पर अभियुक्तों ने बताया कि ये मोबाइल हम लोगो ने अपने 03 अन्य साथियों के साथ मिलकर दिनांक 25 जुलाई 2021 की रात्रि में कस्बा मनकापुर में स्टेशन रोड स्थित डीके मोबाइल शॉप से चोरी किए थे। पुलिस ने पकड़े गए शातिर चोरों पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करके उन्हें न्यायालय रवाना किया है।

थाना मोरवा पुलिस ने दो अलग–अलग जगह से 3 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजे के साथ 2 तस्करों को किया गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

मध्य प्रदेश। जिला सिंगरौली (मोरबा) श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देश पर आराधियो के खिलाफ की जा रही सख्त कार्यवाही मे अलग अलग जगह से 2 लोगो को गिरफ्तार करने मे थाना प्रभारी मोरवा मनीष त्रिपाठी को सफलता मिली है। थाना प्रभारी मोरवा द्वारा 2 अलग अलग जगह पर सूचना प्राप्त हुई कि गांजा लेकर 2 व्यक्ति आ रहे हैं । जिस पर एक टीम चौकी प्रभारी गोरबी सुधाकर सिंह परिहार के नेतृत्व मे एवं दूसरी टीम सउनि साहबलाल सिंह परिहार के नेतृत्व मे रवाना किया गया एक टीम द्वारा ग्राम चुरकी तिराहा पहुंचकर घेराबन्दी कर शंभूलाल साकेत पिता मिठाईलाल साकेत उम्र 32 वर्ष सा 0 सिधार थाना मोरवा को पकड़ा जो एक सफेद रंग के थैले को लिया था जिसके थैले मे मादक पदार्थ गांजा था जो कुल 1 किलो 560 ग्राम गांजा था जिसके खिलाफ थाना मोरवा मे अप क्र . 511/21 धारा 8 , 20 बी एनडीपीएस एक्ट कायम कर जेल भेजा गया। दूसरी टीम गोरबी चौकी प्रभारी सुधाकर सिंह परिहार के नेतृत्व मे महदेइया साइडिंग के पास घेरा बन्दी कर सुनील कुमार विश्वकर्मा पिता भैयाराम विस्वकर्मा निवासी महदेइया को पकड़ा जिसकी तलाशी लेने पर 1 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ जिसके खिलाफ अपराध क्र . 509/21 धारा 2 /20 बी एनडीपीएस एक्ट कायम कर जेल भेजा गया है। दोनो अपराधियो से तकरीबन 3 किलो गांजा बरामद किया गया तथा यह कार्यवाही अपराधियों के खिलाफ सतत जारी रहेगी। उपरोक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी गोरबी सुधाकर सिंह सहायक उप निरीक्षक साहब लाल सिंह , अजीत सिंह , अशोक सिंह , सुरेश सिंह , मोहन पुनापति , अरुणेंद्र पटेल, डीन सिंह शामिल थे।

'कोई मिल गया' ऐक्टर रजत बेदी के खिलाफ मामला दर्ज, हॉस्पिटलाइज पीड़ित का हाल क्रिटिकल

मुंबई, (वेब वार्ता)। 'कोई मिल गया' ऐक्टर रजत बेदी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि ऐक्टर रजत बेदी ने बीती शाम को अंधेरी इलाके में एक शख्स को टक्कर मार दी। इस घटना के खिलाफ डीएन नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इस ऐक्सिडेंट में घायल शख्स के परिवार वालों ने स्वीकार किया कि ऐक्टर ने उन्हें हॉस्पिटल तक लाने में खुद मदद की। मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार देर रात ऐक्टर रजत बेदी ड्राइव कर रहे थे और इसी दौरान अंधेरी में कथित तौर पर एक शख्स को अपनी कार से टक्कर मार दी। रजत बेदी के खिलाफ डीएन नगर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया जा चुका है। बताया जा रहा है कि डीएन नगर में रहने वाला 39 वर्षीय वह शख्स अपने काम से घर लौट रहा था, जब यह हादसा हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह शख्स नशे में धुत्त होकर सड़क पर चल रहा था जब आचानक रजत की कार से सामना हो गया। हालांकि, रजत ने इस ऐक्सिडेंट के बाद वहां से भागे नहीं बल्कि उन्होंने

पीड़ित की मदद की। बताया जा रहा है कि वह शख्स सड़क पार करते समय बेहोशी की हालत में था। इस ऐक्सिडेंट में उस व्यक्ति के सिर के पीछे चोट लगी है। मिड–डे से हुई बातचीत में पीड़ित की वाइफ ने बताया है कि यह घटना शाम साढ़े 6 बजे हुई, जब उनके हसबैंड काम से लौटकर वापस घर आ रहे थे और वह नशे में थे। उन्होंने बताया कि ऐक्टर रजत बेदी की कार से उनकी टक्कर हो गई, जब वह सड़क क्रॉस कर रहे थे, वह नीचे गिर गए और सिर के पीछे चोट आई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, रजत इस घटना में घायल उस शख्स को फौरन हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। रजत ने हॉस्पिटल वालों को इस बात की जानकारी खुद दी कि उन्होंने राह चलते इस शख्स को अपनी कार से टक्कर मार दी है। फिलहाल, इस घटना में घायल वह शख्स हॉस्पिटलाइज हैं। खबर यह भी है कि हॉस्पिटल में भर्ती इस शख्स की हालत क्रिटिकल है। रजत की फिल्मों की बात करें तो उन्होंने 'कोई मिल गया' के अलावा 'रॉकी' 'चालबाज', 'रक्त', 'खामोश' जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

रणबीर कपूर के साथ काम करना चाहती थीं राधिका मदान, दुलहन बन पूरी की दिली इच्छा

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलिवुड ऐक्ट्रेस राधिका मदान का बरसों पुराना ख्वाब पूरा हो गया है। दरअसल, राधिका काफी समय से रणबीर कपूर के साथ फिल्म करना चाहती थी। इसी बीच यह खबर आ रही है राधिका और रणबीर को साथ में फिल्म के सेट पर देखा गया है। कुछ दिन पहले ही राधिका ने इच्छा जाहिर करते हुए कहा था कि वह रणबीर के साथ काम करना चाहती हैं और अब यह खबर आ रही है कि राधिका और रणबीर साथ में एक एड फिल्म की शूटिंग की हैं। दोनों किसी प्रोडक्ट के लिए एड फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है। लेकिन कहा जा रहा है इंडियन ड्रेस की ऑनलाइन शॉपिंग के लिए दोनों सितारें साथ आए हैं। जिसमें राधिका दुल्हन वाले लुक में नजर आ रही हैं, वहीं रणबीर ने पिंक और व्हाइट कलर के पेस्टल शेड्स में धूम मचाते हुए नजर आ रहे हैं। साल 2019 में हिट फिल्म 'मर्द को दर्द नहीं होता' के प्रमोशन के दौरान जब ऐक्ट्रेस से पूछा गया कि वह बॉलीवुड इंडस्ट्री में किसके

साथ काम करना चाहती हैं? इस पर राधिका कहती हैं वह किसी भी स्टार्स के साथ काम करने को तैयार हैं। साथ में उन्होंने यह भी खुलासा किया है कि रणबीर कपूर के साथ काम करने का सपना है। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' जल्द ही रिलीज होने वाली है। जिसमें वह आलिया भट्ट और अमिताभ बच्चन के साथ नजर आएंगे। फिल्म को दिसंबर 2021 में रिलीज करने पर विचार किया जा रहा है।

सिद्धार्थ शुक्ला को याद कर तड़प उठे शहनाज के पिता संतोख सिंह, लिखा– हमेशा दिल में रहोगे

मुंबई, (वेब वार्ता)। ऐक्टर सिद्धार्थ शुक्ला अब हमारे बीच नहीं हैं और कोई भी इस बात पर यकीन नहीं कर पा रहा है। एक तरफ परिवार और फैन्स सिद्धार्थ के गम में टूट चुके हैं, वहीं शहनाज गिल अपनी सुध–बुध ही खो बैठी हैं। हाल ही ऐसी खबर आई कि शहनाज, सिद्धार्थ के जाने के बाद से न तो ढंग से खा रही हैं और न ही सो रही हैं। शहनाज के पिता संतोख सिंह और भाई शहबाज का भी यही हाल है। शहनाज के पिता संतोख सिंह ने इंस्टाग्राम पर सिद्धार्थ को याद करते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट को पढ़कर फैन्स भावुक हो रहे हैं और उनसे शहनाज का हाल पूछ रहे हैं। संतोख सिंह ने

सिद्धार्थ शुक्ला के साथ अपनी एक पुरानी सेल्फी शेयर की है और साथ में लिखा है, 'विश्वास नहीं हो रहा। तुम हमेशा दिल में रहोगे। इससे पहले उन्होंने सिद्धार्थ एक ब्लैंक एंड वाइट तस्वीर शेयर की थी, जिस पर लिखा था, 'जिंदगी का सच बस इतना सा है, इंसान पल भर में याद बन जाता है। तुम्हें हम बहुत ज्यादा याद करेंगे।' बता दें कि सिद्धार्थ शुक्ला की 2 सितंबर को हार्ट अटैक के कारण मौत हो गई थी। पुलिस से जुड़े सूत्रों ने बताया था कि 2 सितंबर को तड़के 3:30 बजे सिद्धार्थ अनईजी फील कर रहे थे। उन्होंने मां को बताया कि बेचौनी हो रही है। तब मां ने उन्हें पानी पिलाकर सुला दिया था। लेकिन सुबह सिद्धार्थ सोकर नहीं उठे। घर आए फैमिली डॉक्टर ने सिद्धार्थ शुक्ला को मृत घोषित कर दिया। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि सिद्धार्थ शुक्ला की मौत के वक्त शहनाज उनके पास ही थीं। रात को जब सिद्धार्थ को तबीयत खराब लग रही थी तो उन्होंने शहनाज को अपने पास रुकने और पीठ थपथपाने के लिए कहा। इसी दौरान सिद्धार्थ सो गए और फिर उठे ही नहीं। शहनाज की भी आंख लग गई और जब उन्होंने सुबह देखा कि सिद्धार्थ का शरीर एकदम ठंडा पड़ा है तो वह चिल्ला पड़ीं। शहनाज को सिद्धार्थ की मौत से गहरा सदमा लगा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शहनाज और सिद्धार्थ इस साल दिसंबर में शादी करने वाले थे। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, दावा किया जा रहा है कि उनकी सगाई भी चुकी थी और शादी की तैयारियां चल रही थीं। वहीं 6 सितंबर को सिद्धार्थ शुक्ला की ऑनलाइन प्रेयर मीट रखी गई, जिसमें ऐक्टर के ब्रह्मकुमारी में बिताए गए यादगार पलों की झलकियां भी दिखाई गईं। परिवार के साथ–साथ सिद्धार्थ शुक्ला की ब्रह्मकुमारी से जुड़े हुए थे। इस साल रक्षाबंधन के मौके पर भी वह वहां गए थे और राखी बंधवाई थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने यहूदी नववर्ष रोश हशानाह पर इजराइल के लोगों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को यहूदी नववर्ष रोश हशानाह के मौके पर इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट, वहां की जनता और देश भर के यहूदियों को बधाई दी। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, ''प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट, इजराइल की जनता और दुनिया भर के यहूदियों को रोश हशानाह की बहुत बहुत शुभकामनाएं।'' प्रधानमंत्री ने हिब्रू भाषा में भी यही संदेश ट्वीट किया।

अमेरिका में लाखों लोगों को बेरोजगारों को लाभ मिलना बंद हुआ

न्यूयॉर्क, (वेब वार्ता)। अमेरिका में लाखों की संख्या में लोगों को सोमवार से बेरोजगारी लाभ मिलना बंद हो गया। डेढ़ साल पहले आई कोरोना वायरस महामारी की वजह से वित्तीय रूप से प्रभावित लोगों के लिए अब गिने–चुने ही आर्थिक समर्थन कार्यक्रम बचे हैं। सोमवार को अमेरिका में बेरोजगार लोगों को दिए जा रहे दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम बंद हो गए। इनमें एक स्वयं रोजगार में लगे लोगों तथा अस्थायी श्रमिकों को दिया जाने वाला बेरोजगारी लाभ है। एक अन्य कार्यक्रम के जरिये ऐसे लोगों को मदद दी जा रही थी जो छह महीने से अधिक से बेरोजगार हैं। जो बाइडन प्रशासन का 300 डॉलर साप्ताहिक का लाभ भी सोमवार को समाप्त हो गया। एक अनुमान के अनुसार करीब 89 लाख लोगों को सभी या कुछ लाभ बंद हो जाएंगे। हालांकि, व्हाइट हाउस ने राज्यों को प्रोत्साहन के धन के जरिये 300 डॉलर प्रति सप्ताह के लाभ को जारी रखने को कहा है, लेकिन अभी तक किसी भी राज्य ने ऐसा करने का विकल्प नहीं चुना है। कई राज्य पहले ही संघीय कार्यक्रम से बाहर निकल चुके हैं क्योंकि कंपनियों की शिकायत थी कि उन्हें नियुक्ति के लिए पर्याप्त संख्या में लोग नहीं मिल रहे हैं।

राहुल ने नीट परीक्षा को स्थगित करने की मांग की

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एन्ट्रेन्स टेस्टकृ नीट) को स्थगित करने की मांग करते हुए मंगलवार को कहा कि छात्रों को एक निष्पक्ष मौका मिलना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, भारत सरकार को छात्रों की परेशानी नहीं दिख रही है। नीट परीक्षा को स्थगित करिये। छात्रों को निष्पक्ष मौका दीजिये। उल्लेखनीय है कि नीट (स्नातक) की परीक्षा 12 सितंबर को प्रस्तावित है।

इकबाल खान का विद्या बालन संग काम करने का सपना जलसा के साथ पूरा

मुंबई, (वेब वार्ता)। विद्या बालन और शेफाली शाह अभिनीत आगामी फिल्म जलसा में नजर आने वाले अभिनेता इकबाल खान का कहना है कि वह हमेशा से विद्या के साथ काम करना चाहते थे और यह फिल्म उनके लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट है। इकबाल ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, निर्माताओं ने एक उदार कलाकार को लिया है। मेरे लिए यह हमेशा सबसे महत्वपूर्ण कहानी है, और जलसा की सम्मोहक कहानी ने मुझे आगे बढ़ाया। यह एक शक्तिशाली, अद्वितीय है। शक्तिशाली पात्रों और कठिन परिस्थितियों की पैनी कहानी। मैं कहानी के बारे में विस्तार से बात नहीं कर सकता, लेकिन केवल इतना कह सकता हूं कि सुरेश त्रिवेणी (फिल्म के निर्देशक) ना कहने के लिए बहुत अच्छे हैं। हालांकि मेरा किरदार कि कास है, अगर उन्होंने मुझे लैम्पपोस्ट बजाने

के लिए कहा होता, तो भी मैं मान जाता। इकबाल टीवी सीरीज कैसा ये प्यार है, कहीं तो होगा, दिल से दिल तक और वेब सीरीज क्रैकडाउन में अभिनय के लिए जाने जाते हैं। वह कहते हैं, मैं हमेशा विद्या के साथ काम करना चाहता था। सुरेश द्वारा निर्देशित उनके साथ एक फिल्म करना सोने पे सुहागा जैसा था। विद्या एक मानव डायनेमो की तरह है। वह सेट पर जो ऊर्जा लाती है वह अद्वितीय है। यह फिल्म अबुंदतिया एंटरटेनमेंट और टी–सीरीज द्वारा निर्मित है और 2022 में रिलीज होने की उम्मीद है।

ऐक्टर बोमन ईरानी के ससुर का 86 की उम्र में निधन, भावुक पोस्ट में उड़ेला दर्द

मुंबई, (वेब वार्ता)। ऐक्टर बोमन ईरानी इस वक्त बेहद दुख में हैं और भावुक हैं। उनके ससुर का 86 साल की उम्र में सोमवार (6 सितंबर) को निधन हो गया। बोमन ईरानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने ससुर की एक तस्वीर शेयर कर भावुक नोट लिखा। बोमन ईरानी ने लिखा, 'उन्होंने कभी कोई शिकायत नहीं की। वह हमेशा ग्रेटफुल रहे। उन्होंने कोई अच्छा काम करने का मौका नहीं छोड़ा। मैंने उनके जितना ईमानदार इंसान कभी नहीं देखा और न ही कभी मिला। उन्होंने 86 साल जश्न के साथ गुजारे और हमसे भी इसी तरह जश्न मनाने और सेलिब्रेट करते रहने का अनुरोध किया। जेनोबिया के पिता और हीरो परवेज। वह मेरे और मेरे बेटों के लिए प्रेरणा थे। उन्होंने परफेक्शन के साथ अपनी शानदार पारी खेली। आप बहुत याद आओगे। बोमन ईरानी के बेटे कायोज ईरानी ने भी अपने नाना के निधन पर शोक जाहिर किया। उन्होंने उनकी कुछ तस्वीरों के साथ उनके संग बिताई पुरानी यादों के किस्से शेयर किए। कायोज ने लिखा, 'रेस्ट इन पीस नाना। आज जब सोकर उठा और नाना

को गुड मॉर्निंग कहने गया तो मैंने देखा कि वह चल बसे थे। मैंने और नाना ने साथ में बहुत सारा वक्त साथ में हंसते, मस्ती–मजाक करते और डिनर पर बिताया।' कायोज ईरानी को इस बात की खुशी है कि वह नाना के साथ एक ही घर में एक ही छत के नीचे कुछ साल बिता पाए। इसका जिक्र उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए पोस्ट में भी किया है। बता दें कि इसी साल जून में बोमन ईरानी की मां का भी निधन हो गया था और अब उनके ससुर इस दुनिया को अलविदा कह चुके हैं। बोमन ईरानी के ससुर के निधन पर कई फिल्मी हस्तियों ने शोक प्रकट किया है। प्रफेशनल फ्रंट की बात करें तो बोमन ईरानी जल्द ही फिल्म '83' और 'मेडे' में नजर आएंगे।

शक्तिनगर एनटीपीसी मैं मनाया गया शिक्षक दिवस

अवध की आवाज ब्यूरो

जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश। शक्तिनगर सोनभद्र एनटीपीसी–सिंगरौली सुपर थर्मल पावर स्टेशन में मनाये जा रहे हिन्दी पखवाड़ा–2021 के दौरान शिक्षक दिवस के मौके पर आवासीय परिसर में संचालित विद्यालयों के शिक्षक/ शिक्षकाओं के लिए गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी आरंभ पूर्व उपस्थित अध्यापक/ अध्यापिकाओं को वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा ने उनका स्वागत किया गया । वरिष्ठ प्रबंधक मानव संसाधन–राजभाषा ओम प्रकाश जी ने उपस्थित शिक्षकों का स्वागत करते हुए शिक्षक दिवस के इतिहास को रेखांकित करते हुए शिक्षक पर्व की बधाई दी। उपस्थित शिक्षकध शिक्षिकाओं की सर्व सम्मति से विवेकानंद वरि0 माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री बलवन्त सिंह जी की अध्यक्षता में गोष्ठी आरंभ हुई, जिसमें प्रथम वक्ता के रूप में विवेकानंद प्राथमिक विद्यालय के आचार्य श्री रामाकान्त पाण्डेय जी ने आधुनिक शिक्षा में नैतिक शिक्षा एवं नैतिक मूल्यों में गिरावट पर चिन्ता व्यक्त करते हुए नैतिक मूल्य आधारित शिक्षा पर बल दिया । अपने कथन की पुष्टि में पाण्डेय ने रामायण की कुछ चौपाईयों को उद्धृत किया किया । अम्बेडकर विद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे प्रदीप जी ने शिक्षा में नैतिक मूल्यों के महत्वों को उजागर करते हुए इस संदर्भ में काव्य पाठ किया । डा0 अम्बेडकर विद्यालय की शिक्षका श्रीमती शीला सिंह ने कहा कि शिक्षा वही है जो मानवीय गुणों से पूर्ण और नैतिकता पर आधारित हो । शिक्षक सम्मान एवं हिन्दी गोष्ठी में उपस्थित संत

जोसेफ स्कूल के अध्यापक डा0 योगेन्द्र वरूणष्षंकर तिवारी ने शिक्षा की विस्तृत परीभाषा रखते हुए नैतिक मूल्य आधारित शिक्षा को वास्तविक शिक्षा बताया तथा महाभारत के कई श्लोक और घटनाओं को रखते हुए नैतिकता पूर्ण शिक्षा की महत्ता को रेखांकित किया। अगले वक्ता के रूप अनिल कुमार चतुर्वेदी, विवेकानंन्द वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, लकी पाटीदार, डा0 बृजेश सिंह यादव, विनोद कुमार सिंह ने अपने सारगर्भित व्याख्यानों से विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया । कार्यक्रम के अध्यक्ष बलवन्त सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए शिक्षा जगत की कठिनाईयों और आधुनिक शिक्षा , महंगी शिक्षा, शिक्षा के व्यवसायीकरण जैसे बिन्दु पर विचार रखते हुए नैतिक शिक्षा को रीढ बताते हुए कहा कि शिक्षा वही है जो संस्कार एवं नैतिक गुणों से शिक्षार्थी को सुसज्जित कर सके। सम्मानिय शिक्षक/शिक्षिकाओं में पुस्तक भेंट किये जाने के उपरान्त श्री ओम प्रकाश ,वरिष्ठ प्रबंधक मानव संसाधन –रा.भा. के आभार ज्ञापन से कार्यक्रम का सम्पन्न हुआ।

उन्नाव। ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा जी ने भारतीय जनता पार्टी मंडल बदरका का मंडल संयोजक बनाए जाने पर बूथ अध्यक्ष श्री धीरज विश्वकर्मा का मुंह मीठा कराकर शुभकामनाएं एवम् आशीर्वाद दिया एवम कार्यकाल की अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं दी। धीरज विश्वकर्मा ने आदरणीय ब्यूरो चीफ जी का डायरी एवम् पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया एवम् आशीर्वाद प्राप्त किया। एवम् धीरज जी ने शीर्ष नेतृत्व का नवीन दायित्व का आभार व्यक्त किया।

ब्यूरो चीफ जी ने कहा की धीरज ने लगातार हमारे समाचार पत्र के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर चले है इसलिए समस्त अवध की आवाज टीम की तरफ से हार्दिक शुभकामनाए एवम् कार्यकाल की अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं।

सचिव एवं प्रधान पर लगाया महिला ने फर्जी नियुक्ति करने का आरोप

कलेक्ट्रेट पहुंच कर सिटी मजिस्ट्रेट को सौपा शिकायती पत्र, जांच की उठाई मांग

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। कालपी तहसील के अंर्तगत पड़ने वाले विकास खंड कदौरा क्षेत्र के ग्राम उदनपुर निवासी माधुरी पत्नी चंदन बाल्मीकि ने आज सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंच कर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते हुए बताया कि वह सामुदायिक शौचालय की सूची में चयनित थी लेकिन प्रधान एवं सचिव की मिली भगत से प्रार्थनी का नाम सूची से हटा दिया तथा दूसरी महिला का किया जा रहा है।जबकि उक्त महिला का नाम सूची में कही पर भी नहीं है। महिला का आरोप है कि मुझे हटा कर प्रधान एवं सचिव लम्बी रकम डकारने की फिराक में है। महिला का आरोप है कि प्रधान और सचिव अपनी मनमर्जी से बबली पत्नी प्रहलाद अहिरवार समाज की महिला की फर्जी तरीके से नियुक्ति की जा रही है जबकि प्रार्थनी बाल्मीकि समाज की महिला है। महिला सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देकर न्याय की गुहार लगाते हुए उसका उसे हक दिलवाये जाने की मांग उठाई है।

हरियाणा के करनाल में किसानों की महापंचायत, इंटरनेट सेवाएं बंद

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर किसानों के प्रदर्शन के बीच विभिन्न जगहों पर महापंचायतों का आयोजन किया जा रहा है, ऐसे में किसानों ने आज हरियाणा के करनाल में महापंचायत का एलान किया है। वहीं किसानों के कार्यक्रम के मद्देनजर इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। संयुक्त किसान मोर्चा ने एक बयान में कहा , सुबह 10 बजे करनाल की अनाज मंडी में किसानों की पंचायत पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी। आज दिनभर की गतिविधियों का जायजा लेने के बाद मोर्चे ने अफसोस प्रकट किया की हरियाणा सरकार ने शहीद सुशील काजल और अन्य घायल किसानों को मुआवजा देने की बजाय उन्हें अपराधी ठहराने की कोशिश की है। बयान के अनुसार, किसानों के सर फोड़ने का हुक्म देने वाले अफसर के खिलाफ कार्यवाही करने की बजाय सरकार ने उन्हें इनाम दिया है। इसलिए इसके विरोध में होने वाली पंचायत आयोजित की जाएगी। संयुक्त किसान मोर्चा ने सभी किसानों को आह्वान किया है कि वह सरकारी दमन का विरोध करने के लिए अधिक से अधिक संख्या में कल 10 बजे अनाज मंडी करनाल पहुंचे। दूसरी ओर किसानों की महापंचायत के मद्देनजर हरियाणा सरकार ने करनाल समेत पड़ोसी जिलों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी हैं, करनाल में इंटरनेट सेवाएं 6 सितंबर की दोपहर 12.30 बजे से 7 सितंबर की रात 11.59 बजे तक बंद रहेंगी। हालांकि मोर्चे ने सभी किसानों से हर हालत में शांति बनाए रखने की अपील की है। मोर्चे ने कहा, किसान आंदोलन से बौखलाई हरियाणा सरकार के पास अब एक ही हथकंडा बचा है कि वह किसी तरह किसान आंदोलन में हिंसा करवा कर उसे बदनाम करें। इसलिए किसानों को विशेष रूप से सजग रहना होगा कि वह सरकार और उसके एजेंटों को ऐसी कोई हरकत करने का कोई मौका ना दें, किसी तरह की हिंसा की गुंजाइश न होने दें।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।